वर्ष: 2 अंक: 63,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

सुरत
बुधवार
6 मई 2020

दैनिक क्रांति समय

सुविचारः– बिना करें भी तो पछताना हैं, इससे अच्छा हैं कुछ करके पछताओ!

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूएई में भारतीय सैल्समैन ने लकी ड्रॉ में जीती 20 करोड़ रुपये की राशि

दुबई (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी में भ. ारतीय सेल्समैन ने एक लकी ड्रॉ में एक करोड़ दिरहम की बड़ी राशि जीत ली है। जानकारी के अनुसार केरल के त्रिसूर से ताल्लुक रखने वाले दिलीप कुमार एलीकोट्टील परमेश्वरन यहां के अजमान में कार के कल–पुर्जे से जुड़ी एक कंपनी में काम करते हैं और एक महीने में 5,000 दिरहम (लगभग एक लाख रुपये) की कमाई करते हैं। खबर के अनुसार परमेश्वरन ने अबूधाबी में बिग टिकट ड्रॉ में एक करोड़ दिरहम यानी 20 करोड़ से अधिक की राशि जीती। उन्होंने कहा कि इस धन से वह सबसे पहले कर्ज चुकाएंगे। साथ ही उस रकम का एक हिस्सा अपने दो बच्चों की शिक्षा पर खर्च करेंगे। परमेश्वरन पिछले 17 साल से यूएई में अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। बिग टिकट ड्रॉ में नकद राशि और महंगी कार पुरस्कार के रूप में रखी जाती है। प्रत्येक महीने की तीन तारीख को अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाइव ड्रॉ का आयोजन किया जाता है। इसके लिए 500 दिरहम (करीब 10 हजार) रुपये का टिकट खरीदना होता है।

पाक के सरकारी अस्पताल बेहाल– ऑक्सीजन न मिलने से कोरोना पीड़ित डॉक्टर की मौत

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान में कोरोना महामारी के चलते बदहाल अस्पतालों की हालात बेहद खराब हैं। यहां के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में कोरोना संक्रमित एक डॉक्टर को वेंटिलेटर नहीं मिल सका जिसकी वजह से उनकी जान चली गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध प्रांत में सरकारी अस्पतालों की हालत बहुत बुरी है। निजी अस्पताल भी कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों से भर गए हैं। इसी स्थिति के बीच डॉक्टर फुरकान की मौत हो गई। कराची इंस्टिट्यूट ऑफ हार्ट डिजीज से सेवानिवृत्त डॉ. फुरकान कोरोना वायरस के शिकार हो गए थे। उन्होंने खुद को घर में आइसोलेट कर लिया था। उनके परिजनों ने बताया कि तबियत बिगड़ने पर फुरकान को पहले शहर के बड़े अस्पतालों, एसआईयूटी और फिर इंडस अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, कहीं भी आईसीयू या कोई वेंटिलेटर खाली नहीं मिला। फुरकान को सरकारी अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां वेंटिलेटर खराब मिले। कुछ जो काम कर रहे थे, वे खाली नहीं थे। परिजनों ने बताया कि डॉ. फुरकान करीब दो घंटे तक ऐम्बुलेंस में रहे और वे लोग उन्हें लेकर अस्पतालों का चक्कर लगाते रहे। बड़े अस्पतालों ने वापस भेज दिया जिसके बाद उन्हें एक और अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और फुरकान की मौत हो चुकी थी।

एफबीआई ने किया अलर्ट, अमेरिका के आम चुनाव में हेरा–फेरी कर सकता हैं रुस

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के गृह सुरक्षा मंत्रालय और एफबी. आई ने अलर्ट जारी किया है कि अमेरिकी चुनाव–2020 में रूस हेरा–फेरी करा सकता है।खबर के मुताबिक रूस चुनाव लड़ रहे कैंडिडेट्स को सलाह देकर और प्रचार अभियान में हेरा–फेरी कर अमेरिका की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप की तैयारी कर रहा है। हालांकि मिले गोपनीय दस्तावेजों में इस बात का ज़िक्र नहीं है कि रूस कैसे इस साजिश को अंजाम देने वाला है। हालांकि इसमें पुराने आरोपों के आधार पर बताया गया है कि इनमें प्रत्याशियों और चुनाव अभियान को गोपनीय सलाह देना भी शामिल है। इसमें कहा गया कि अधिकारियों ने, 'अमेरिका के खिलाफ रूस के इस प्रयास पर पहले गौर नहीं किया। लेकिन रूसी राष्ट्रपति पुतिन के करीबी एक शक्तिशाली कारोबारी के लिए काम करने वाले राजनीतिक रणनीतिकार कई अफ्रीकी देशों में राजनीतिक प्रचार अभियान में शामिल रहे हैं।

अलर्ट में कहा गया है कि कैसे ट्रंप प्रशासन के अधिकारी अमेरिकी चुनाव में रूस की ओर से भविष्य में किए जाने वाले हस्तक्षेप को लेकर लगातार आगाह करते रहे हैं, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप 2016 में डेमोक्रेट हिलेरी क्लिंटन पर मिली अपनी जीत में क्रेमलिन की संलिप्तता से इनकार करते रहे हैं। चूंकि यह मेमो कोरोना वायरस प्रकोप से पहले तैयार किया गया था इसकारण इसमें उन बातों का जिक्र नहीं है कि वैश्विक महामारी उन युक्तियों को कैसे प्रभावित कर सकती है जिनका प्रयोग रूस चुनाव में हस्तक्षेप के लिए कर सकता है। गृह सुरक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता ने सोमवार को इसपर तत्काल टिप्पणी नहीं की और एफबीआई की प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से ही इनकार कर दिया। 2020 के अमेरिकी चुनाव से पहले रूस की संभावित युक्तियां' शीर्षक वाले इस दस्तावेज में किसी विशेष प्रत्याशी या अभियान का जिक्र नहीं है जिसको रूस मदद देने की कोशिश कर सकता है।

उधर, अमेरिका में इस मुद्दे पर बहस तेज होती जा रही है कि वैश्विक महामारी कोरोना का किस प्रकार सबसे बेहतर तरीके से मुकाबला कर तबाह हो चुकी अर्थव्यवस्था को कैसे पटरी पर लाया जाए।

सिंगापुर में 18000 कोरोना संक्रमितों में 4800 भारतीय

सिंगापुर (ईएमएस)। सिंगापुर में कोरोना संक्रमण काफी तेजी से फ़ैल रहा है। यहां संक्रमण के अभी तक 18000 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं और 18 लोगों की मौत हो चुकी है। सिंगापुर में भारत के राजदूत जावेद अशरफ ने बताया कि देश में कुल 18000 संक्रमितों में से करीब 4800 से ज्यादा भारतीय हैं और इनमें से ज्यादातर कामगार और मजदूर हैं जो तंग डोरमेट्रीज और हॉस्टल्स में रह रहे थे।

इससे पहले सिंगापुर ने भारतीयों समेत विदेशी कामगारों के लिए घरों में रहने की अवधि शुक्रवार को 18 मई तक के लिए बढ़ा दी थी। सिंगापुर में संक्रमित लोगों में बड़ी संख्या में विदेशी शामिल हैं जिनमें से ज्यादातर भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के लोग हैं।

कोरोनावायरस संक्रमित मरीजों की संख्या पहुंची 50 हजार के करीब, अब तक 1650 मौतें

नई दिल्ली । भारत में कोरोनावायरस संक्रमण अब लगभग पचास हजार लोगों तक पहुंच चुका है। मंगलवार को रात 10 बजे तक कोरोना वायरस संक्रमण के 2789 नए मामले सामने आए। इस प्रकार सारे देश में कोरोनावायरस संक्रमित मरीजों की संख्या 49,223 तक पहुंच गई है। देर रात तक इसके 50,000 से अधिक होने की आशंका है।

संक्रमण के मामले में महाराष्ट्र देश में सबसे आगे हैं। यहां बीते 24 घंटे के दौरान 841 नए मामले सामने आए और संक्रमित मरीजों की संख्या 15525 हो गई। गुजरात और दिल्ली भी संक्रमण के मामले में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गुजरात में बीते 24 घंटे के दौरान 441 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित मरीजों की संख्या 6245 हो गई। इनमें से 368 लोगों की मौत हो चुकी है, 1381 ठीक हो चुके हैं। देश की राजधानी दिल्ली भी 5000 के आंकड़े के पार हो चुकी है। यहां बीते 24 घंटे के दौरान 206 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 5104 हो गई। इनमें से 1468 ठीक हुए हैं और 64 की मौत हो गई है। तमिलनाडु भी कोरोनावायरस के ग्राफ में तेजी से ऊपर पहुंच रहा है। यहां पर इस बीमारी से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 4058 पहुंच गई है इनमें से 1485 ठीक हो गए हैं, किंतु 33 लोगों की मौत भी हो चुकी है। मंगलवार को यहां संक्रमण के 508 नए मामले सामने आए। राजस्थान में भी मंगलवार को 97 कोरोना संक्रमित मरीज मिले और पीड़ितों की संख्या 3127 हो गई जिसमें से 1464 ठीक हो चुके हैं, 82 की मौत हो गई है। मध्यप्रदेश में भी संक्रमण के 107 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 3049 हो गई। जिनमें से 1000 ठीक हो गए हैं किंतु 176 की मृत्यु हो गई है। उत्तरप्रदेश में कोरोनावायरस के मंगलवार को 114 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 2880 तक पहुंच गई। यहां 986 मरीज ठीक हो गए हैं किंतु 56 की मृत्यु हो गई है। आंध्रप्रदेश में मंगलवार को 67 नए मामले सामने आने के साथ ही पीड़ित लोगों की संख्या 1717 हो गई जिनमें से 589 ठीक हो चुके हैं और 34 की मौत हो गई है। पंजाब में मंगलवार को कोरोनावायरस संक्रमण के 219 नए मामले सामने आने के साथ ही पीड़ितों की संख्या 1451 हो गई। यहां 133 मरीज ठीक हो चुके हैं और 25 की मौत हो गई है। पश्चिम बंगाल में भी मंगलवार को कोरोनावायरस के 85 नए मामले सामने आए जिनमें से 140 की मौत हो गई है, 264 ठीक भी हो गए हैं। संक्रमण के मामले में तेलंगाना में कुछ राहत मिली है यहां 1085 मरीज हैं, जिनमें से 585 ठीक हो चुके हैं और 29 की मौत हो गई है।

जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, हरियाणा जैसे राज्यों में नए संक्रमित ज्यादा नहीं मिले। लेकिन पिछले 1 सप्ताह के दौरान तेजी से संक्रमण के नए मामलों में वृद्धि हुई है। इस दौरान 18560 नए मामले सामने आए।

हैलो–हाय छोड़िए, निरापद है नमस्ते, कोरोनाकाल में प्रासंगिक हुई भारतीय परंपरा

न्यूर्याक (ईएमएस)। दुनियाभर में कोरोना वायरस से बचने के लिए भारत में एक–दूसरे को अभिवादन करने का तरीका 'नमस्ते' दूसरे देशों के अभिवादन के तरीके से अधिक कारगर साबित हो सकता है। क्योंकि इससे वायरस से बचने के एक महत्वपूर्ण नियम सामाजिक दूरी बनाए रखने का उल्लंघन भी नहीं होता। एक मीडिया रिपोर्ट 'दी कोविड–19 रिडल : वाय डज द वायरस वैलॉप सम प्लेसिज एंड स्पेयर अदर्स?' के अनुसार कोरोना वायरस ने पृथ्वी पर लगभग हर जगह अपना प्रकोप दिखाया है। न्यूयॉर्क, पेरिस और लंदन में जहां इससे तबाही मची है वहीं बैंकॉक, बगदाद, नई दिल्ली, लागोस जैसे शहरों में स्थिति अब तक उतनी खराब नहीं हुई है। सवाल यह है कि कुछ स्थानों पर वायरस का कहर अधिक और कुछ जगह पर कम क्यों है? इसको लेकर कई सिद्धांत और अटकलें हैं।

इसका पता चलने से देश वायरस से कैसे निपटें, किसको इससे खतरा है यह पता लगाने और यह जानने में मदद मिल सकती है कि घर से बहार जाना सुरक्षित कब होगा। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि महामारी विशेषज्ञों ने कहा कि सांस्कृतिक कारक, जैसे कि सामाजिक दूरी बनाना जो कुछ समाजों में पहले से जारी है, इससे कुछ देश अधिक सुरक्षित हैं। थाईलैंड और भारत में जहां वायरस के मामले तुलनात्मक रूप से कम है वहां लोग एक–दूसरे का अभिवादन दोनों हाथ जोड़कर 'नमस्ते' करके करते हैं।

वहीं जापान और दक्षिण कोरिया में भी कोरोना वायरस आने से काफी समय पहले से लोग सिर झुकाकर एक–दूसरे का अभिवादन करते हैं और थोड़ा भी बीमार होने पर उन्हें मास्क पहनने की आदत है। रिपोर्ट के अनुसार विकासशील देशों में बुजुर्गों की घर में देखभाल करने की संस्कृति के कारण पश्चिमी देशों की तुलना में वहां बुजुर्गों की जान कम जा रही है। 'हार्वर्ड ग्लोबल हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट' के निदेशक आशीष झा ने कहा कि कई देशों में युवा आबादी अधिक होने की वजह से भी महामारी के मामले कम हैं।

क्या होगा अगर कोरोना की वैक्सीन मिले ही नहीं –एक्सपर्ट कर रहे इस तरह के दावे

लंदन (ईएमएस)। क्या होगा अगर कोरोना की वैक्सीन मिले ही नहीं। बद से बदतर हालात में अगर वैक्सीन की खोज नहीं की जा सकी तो क्या होगा। इस तरह के दावे एक्सपर्ट कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर कोरोना की वैक्सीन नहीं मिल पाती है तो हमारे समाज को कोरोना के संक्रमण के साथ ही जीना सीखना होगा। ऐसे हालात में शहरों को धीरे–धीरे खोला जाएगा, कुछ आजादी मिलेगी लेकिन पूर्ण रूप से नहीं। अगर कोरोना की वैक्सीन नहीं मिल पाती है तो कोरोना की टेस्टिंग और फिजिकल ट्रेसिंग हमारी जिंदगी का हिस्सा हो जाएगा। कई देशों में सेल्फ आइसोलेशन भी जिंदगी का हिस्सा हो जाएगा। वैक्सीन नहीं मिलने की हालत में हो सकता है कि उसका ट्रीटमेंट खोज लिया जाए। लेकिन फिर हर साल महामारी का दौर आएगा और उसकी वजह से पूरी दुनिया में लाखों लोग मरेंगे। कई देश वैक्सीन के ट्रायल में लगे हैं। लेकिन एक्सपर्ट बता रहे हैं कि इतनी जल्दी कुछ नहीं होने वाला। इस मामले पर इंपीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के ग्लोबल हेल्थ के प्रोफेसर डॉक्टर डेविड नबारो कहते हैं कि ऐसे अभी भी कई वायरस हैं, जिनके वैक्सीन की खोज हम नहीं कर पाए हैं। इसलिए हम ये नहीं कह सकते हैं कि वैक्सीन मिल ही जाएगी। अगर मिल भी गई तो उसे कई स्तर के टेस्ट से गुजरना होगा। कुछ एक्सपर्ट का मानना है कि कोरोना वायरस की वैक्सीन मिल जाएगी। क्योंकि एचआईवी और मलेरिया की तरह इसका वायरस ज्यादा तेजी से म्यूटेट नहीं करता। हालांकि ऐसा पहले भी हो चुका है कि जब वायरस की कोई वैक्सीन नहीं मिली। इस तरह के एक मामले में 1984 में अमेरिका की स्वास्थ्य मंत्री मार्गरेट हेकलर ने वाशिंगटन की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया था कि वैज्ञानिकों ने एक नए तरह के वायरस की पहचान की। बाद में उस वायरस को एचआईवी नाम मिला। उस वक्त कहा गया था कि अगले दो वर्षों में इस वायरस की वैक्सीन तैयार कर ली जाएगी। लेकिन दो दशक बीत जाने के बाद और करीब 3 करोड़ 20 लाख लोगों की मौत के बाद भी अब तक एचआईवी की वैक्सीन नहीं खोजी जा सकी है। एचआईवी से पीड़ित होना अपनेआप मे एक अभिशाप बन गया। किसी भी शख्स के पॉजिटिव रिपोर्ट आते ही उसकी दुनिया नरक बन जाती है। उसके अपने ही उससे किनारा कर लेते हैं।

बता दें। कि पूरी दुनिया कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रही है। दुनियाभर के साइंटिस्ट कोरोना की वैक्सीन की खोज में लगे हैं। कुछ जगहों पर वैक्सीन का ट्रायल भी शुरू हो चुका है। लेकिन अभी तक प्रभावी वैक्सीन मिला नहीं है।

सेक्स में साथी को चरम सुख का अहसास दिलाने महिलाएं निकालती है आवाजें

न्यूर्याक (ईएमएस)। स्त्री–पुरुष के अंतरंग सुखों की पराकाष्ठा की सीमा को लेकर कई व्याख्याएं आपने सुनी होगी पर शोधों के मुताबिक इस क्रीड़ा के समय महिलाएं अक्सर ज्यादा आवाज निकालती हैं। वे ऐसा इसलिए करती हैं ताकि उनके साथी बेहतर ऑर्गज्म (चरम सुख) पा सकें। 18 से 48 साल की 71 सेक्शुअली एक्टिव महिलाओं पर किए गए शोध के बाद यह बात सामने आई कि महिलाओं को फोरप्ले और दूसरी गतिविधियों के दौरान ऑर्गज्म मिल जाता है

और सेक्स के दौरान वह अपने साथी को क्लाइमेक्स पर पहुंचाने के लिए आवाजें निकालती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ लैंकशेर और यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स में हुए रिसर्च में 66 फीसदी महिलाओं ने यह बात मानी कि आवाजें निकालने से उनके साथी का इजैकुलेशन जल्दी होता है। वहीं 92 फीसदी ने माना कि आवाजें निकालने से सेक्शुअल गतिविधि के दौरान उनका और उनके पार्टनर का आत्मविश्वास बढ़ता है। वे साथी को बूस्टअप करने के लिए आवाजें निकालते हैं। बायॉमेडिकल सायंटिस्ट और सेक्सॉलजिस्ट रॉय लेविन ने सेक्स के दौरान आवाज निकालने के पीछे ये 4 वजहें बताई हैं।

हम जाने–अनजाने अपने साथी को यह बताते हैं कि जो चल रहा है, हम उसे पसंद कर रहे हैं या फिर उनके ऐक्ट से उन्हें अच्छा लगा, यह जताने के लिए आवाज निकालते हैं। आवाजें निकालना या साथी की आवाज सुनना उत्तेजना को बढ़ाता है।

सायंटिस्ट्स ने इसे हेडॉनिक ऐम्प्लिफिकेशन का नाम दिया। ले. विन ने बताया कि इन आवाजों के पीछ कुछ छिपी हुई वजहें भी हो सकती हैं जैसे, आवाजें हमारी एक्साइटमेंट प्रॉसेस को क्लाइमेक्स के लिए तैयार करती हों। शोधकर्ताओं का मानना है कि सेक्स के दौरान आवाजें निकालकर मिलने वाली खुशी को बढ़ाने के लिए अपने आप ही आवाजें निकालते हैं।

कोरोना पर चीन के खिलाफ आवाज उठाने वालों को शी सरकार कर रही है खामोश

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कोरोना के शिकार लोगों में अब सरकार के प्रति गुस्सा बढ़ने लगा है। कोरोना में अपने परिजनों को खो देने वाले लोग सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। लेकिन चीनी प्रशासन अपने खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों का मुंह डरा–धमका कर बंद कर रहा है। चीन में वुहान कोरोना का एपिसेंटर बना था। अब वुहान से ही चीनी सरकार के खिलाफ आक्रोश के सुर तेज होने लगे हैं। कई लोग मैसेज कर पूछ रहे हैं कि चीन की सरकार के खिलाफ मुकदमा किस तरह से चलाया जाए। आधिकारिक तौर पर वुहान में तकरीबन 4 हजार लोगों की कोरोना से जान गई। जबकि स्थानीय लोगों का मानना है कि मौत का आंक़ड़ा इससे कहीं ज्यादा है। वुहान में लोग अपने परिजनों की मौत का मुआवजा मांग रहे हैं, साथ ही महामारी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन प्रशासन के खिलाफ कोर्ट केस करने की बात करने वाले एक शख्स की मां की मौत तमाम अस्पतालों से बिना इलाज लौटा देने की वजह से हुई थी। वहीं दूसरे शख्स के पिता की मौत क्वारेंटाइन में रहने के दौरान हुई। इसतरह के तकरीबन सात लोगों ने चीन में सामाजिक कार्यकर्ता यांग झांकयांग को मैसेज किया था। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ता के मुताबिक इन लोगों ने अपना इरादा बदल लिया और अब वहां बात को बढ़ाना नहीं चाहते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता के मुताबिक दो लोगों को पुलिस ने धमकाया है।

वुहान में इसतरह के लोगों की तादाद बहुत ज्यादा है, जिन्होंने कोरोना संक्रमण की वजह से अपने परिजनों को खो दिया। लेकिन अब चीनी प्रशासन इन लोगों का मुंह डरा–धमका कर बंद कर रहा है। जहां एक तरफ वकीलों को सरकार के खिलाफ ऐसा कोई केस दाखिल न करने की चेतावनी दी गई है। वहीं मारे गए परिजनों के रिश्तेदारों से पुलिस पूछताछ कर रही है। जो लोग भी ऑनलाइन तरीके से सामाजिक कार्यकर्ता के जरिए सरकार के खिलाफ अदालती कार्रवाई करने की बात कर रहे हैं, उन्हें पुलिस धमका रही है। चीन से न्यूयॉर्क पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता के मुताबिक चीन सरकार को ये डर है कि अगर लोग को उनके अधिकारों का इस्तेमाल कर उन्हें आवाज उठाने दी गई,तब अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को वुहान की वास्तविक स्थिति और कोरोना पीड़ित परिवारों के सच्चे अनुभव के बारे में पता चल जाएगा।इसकारण चीनी प्रशासन की कोशिश है कि इसतरह के विरोध के सुरों को सख्ती से दबाया जाएं। ताकि कोरोना से निपटने में चीन के प्रशासनिक तंत्र की कामायाबी के दावों की दुनिया के सामने पोल न खुल जाए।

कोविड–19 संकट के बीच अमेरिका में सीनेट का सत्र शुरू

वाशिंगटन (ईएमएस)। कोरोना वायरस (कोविड–19) संकट के चलते लॉकडाउन के बीच अमेरिका में सीनेट का सत्र सोमवार को फिर से आरंभ हो गया। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि नए सहायता पैकेज पर क्या स्थिति रहेगी। उधर, अमेरिका में इस मुद्दे पर बहस तेज होती जा रही है कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का किस प्रकार सबसे बेहतर तरीके से मुकाबला किया जाए और तबाह हो चुकी अर्थव्यवस्था को कैसे पटरी पर लाया जाए? मार्च के बाद पहली बार 100 सीनेटर सत्र में हिस्सा लेंगे। मार्च में सदन की कार्यवाही स्वास्थ्य खतरे की वजह से टाल दी गई दी थी। वाशिंगटन क्षेत्र वायरस हॉट स्पॉट है और यहां लोगों को घरों में ही रहने के आदेश हैं। सीनेट में बहुमत के नेता मिच मैक्कोनेल ने सत्र की शुरुआत की और वायरस के प्रकोप के बजाय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रत्याशियों की पुष्टि करने के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने के अपने निर्णय का बचाव किया।

मैक्कोनेल ने कहा, हमें राष्ट्र के लिए अहम काम करना है। सीनेट के रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य बहस के लिए शर्तें तय करने की कोशिश में लगे हैं और इस बात से निराश हैं कि सदन की स्पीकर नेंसी पेलोसी पहले के सहायता संबंधी विधेयकों में डेमोक्रेटिक पार्टी की प्राथमिकताएं शामिल कराने में कामयाब रही थीं। वे करीब तीन हजार अरब डॉलर से ज्यादा का संघीय कोष देने के अनिच्छुक हैं जिसे कांग्रेस पहले ही वायरस राहत के लिए मंजूरी दे चुकी है। उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आर्थिक गतिविधियां शुरू कराएंगे जिससे और अधिक सहायता देने की जरूरत कम होगी। लेकिन पेलोसी उनके बिना ही आगे बढ़ी और एक नया राहत पैकेज तैयार किया है जिसे डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जल्द ही सामने लाएंगे। सीनेट के डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शुमर ने संकट का सामना किए बिना सीनेटरों और स्टाफ को वापस बुलाने की निंदा की है।

उन्होंने इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे 'असामान्य' सत्रों में से एक बताया है। पिछले पांच हफ्तों से कोविड–19 की वजह से कांग्रेस को छोड़ सब बंद है। यह 1918 में स्पेनिश फ्लू और 2001 में आतंकी हमले के दौरान भी इतने वक्त के लिए बंद नहीं रहा था। सीनेटर एक बदले हुए स्थान पर आएंगे और उनके लिए नए दिशा–निर्देश होंगे, जिनमें सीनेटर और कर्मचारियों के लिए मास्क लगाना तथा सामाजिक दूरी बनाना और अपने अधिकतर कर्मचारी नहीं लाना शामिल है। जनता की भी सीमित पहुंच होगी। इससे न केवल सीनेटर बल्कि कैपिटल हिल के हिस्सों को खोलने से बावर्ची, सफाई कर्मी, पुलिस अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी भी खतरे

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मजदूरों की यात्रा पर राजनीति

भारत सरकार ने यह फैसला देर से किया लेकिन अच्छा किया कि प्रवासी मजदूरों की घर वापसी के लिए रेलें चला दीं। यदि बसों की तरह रेलें भी गैर–सरकारी लोगों के हाथ में होतीं या राज्य सरकारों के हाथ में होतीं वे उन्हें कब की चला देते। करोड़ों मजदूरों की घर–वापसी हो जाती और अब तक काम पर लौटने की उनकी इच्छा भी बलवती हो जाती लेकिन अब जबकि रेलें चल रही हैं, बहुत ही शर्मनाक और दर्दनाक नज्जारा देखने को मिल रहा है। जिन मजदूरों की जेबें खाली हैं, उनसे रेल–किराया मांगा जा रहा है और एक वक्त के खाने के 50 रु. ऊपर से उन्हें भरने पड़ रहे हैं। इसके विपरीत विदेशों से जिन लोगों को लाया गया है, उनको मुफ्त की हवाई–यात्रा, मुफ्त का खाना और भारत पहुंचने पर मुफ्त में रहने की सुविधाएं भी दी गई हैं। इसमें कोई बुराई नहीं है। यह अच्छी बात है लेकिन ये लोग कौन हैं ? ये वे प्रवासी भारतीय हैं, जो विदेशों में काम करके पर्याप्त पैसा कमाते हैं लेकिन इनके मुकाबले हमारे नंगे–भूखे मजदूरों से सरकार रेल–किराया वसूल कर रही है। क्या यह शर्म की बात नहीं है ? खास तौर से तब जबकि ''प्रधानमंत्री परवाह करते हैं'' (पीएम केयर्स फंड) में सैकड़ों करोड़ रु. जमा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री किसकी परवाह कर रहे हैं ? अपने जैसे लोगों की ? खाए, पीए, धाए लोगों की ? जो भूखे–प्यासे गरीब लोग हैं, उनकी परवाह कौन करेगा ? यदि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इन वंचितों के लिए आवाज उठाई तो इसमें उन्होंने गलत क्या किया ? यदि इसे आप राजनीतिक पैंतरेबाजी कहते हैं तो मैं इस पैंतरेबाजी का स्वागत करता हूं हालांकि सबको पता है कि कांग्रेस पार्टी के हाल खस्ता हैं। वह सोनिया के इस दावे पर अमल कैसे करेगी कि सारे मजदूरों का यात्रा–खर्च कांग्रेस पार्टी उठाएगी। यह कोरी धमकी थी लेकिन इसका असर अच्छा हुआ है। कई कांग्रेसी और गैर–कांग्रेसी राज्यों ने अपने–अपने यात्रियों का खर्च खुद करने की घोषणा कर दी है। रेल मंत्रालय को अब यही देखना है कि वह इन करोड़ों मजदूरों की यात्रा को सुरक्षित ढंग से संपन्न करवा दे। यदि यात्रा की इस भगदड़ और गहमागहमी में कोरोना फैल गया तो देश के सामने मुसीबतों का नया पहाड़ उठ खड़ा होगा।

कोरोना मुक्ति की राह पर सरकार, संगठन और समाज का समन्वित

प्रदेश में श्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में भ. ारतीय जनता पार्टी की सरकार को बने या यूं कहें इस प्रदेश को कांग्रेस की कमलनाथ सरकार से मुक्त हुए लगभग एक महीना पूरा हुआ है। इतना समय किसी सरकार के कामकाज, उसकी उपलब्धियों के आंकलन के लिए पर्याप्त नहीं होता। लेकिन भाजपा की इस सरकार के ये 30 दिन कई मायनों में अनूठे रहे हैं। इन 30 दिनों में सरकार, पार्टी संगठन और समाज ने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में आपसी समन्वय का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अद्वितीय है। सरकार ने बिना समय गवांए कमांडो शैली में कार. ंवाई की, तो समाज पूरी उदारता के साथ प्रभावितों, जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आया। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी पीड़ितों की मदद के लिए नियोजित प्रयास किए। इन सम्मिलित प्रयासों ने न सिर्फ कोरोना महामारी के बढ़ते कदमों को थाम लिया है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि भविष्य में आने वाली किसी भी चुनौती से मुकाबले के लिए यह एक कारगर रणनीति हो सकती है।

शून्य से शुरू हुआ सरकार का काम

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह ने जब कार्यभार ग्रहण किया, तो देखा कि प्रदेश में इस महामारी से निपटने के लिए कोई कार्य योजना नहीं बनाई गई थी, कोई आधारभूत सुविधाएं नहीं जुटाई गई थीं और न ही इस संकट से मुकाबले के लिए कोई तंत्र था। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि काम शुरू कहां से किया जाए, लेकिन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार ने अभूतपूर्व तेजी और चुस्ती के साथ कमांडो शैली में काम करना शुरू किया। आनन–फानन में 450 कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर कंट्रोल रूम शुरू किया गया, वहीं राज्य स्तर पर अधिकारियों की कोर टीम बनाई गई। शिवराज सरकार ने अस्पताल, आईसीयू बेड जुटाने से लेकर मास्क, सैनिटाइजर, टेस्ट किट और ईपीई किट तक जुटाने का काम शुरू किया। कोरोना टेस्टिंग के लिए प्रदेश में ही सुविधाएं जुटाई गईं। अब प्रदेश में ही रोजाना 10 हजार से अधि क ईपीई किट बनाई जा रही हैं, जिससे चिकित्सा और पुलिसकर्मियों को सुरक्षा उपलब्ध हो सकी है। प्रदेश सरकार ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में किस तेजी से काम किया है, उसका अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि एक माह से भी कम समय में प्रदेश में कोरोना टेस्ट करने वाली लैबों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। प्रदेश में 20,243 आइसोलेशन बेड तथा 783 आईसीयू बेड उपलब्ध हैं। इसके अलावा 690 वेंटिलेटर उपलब्ध हैं तथा प्रदेश में 23 अस्पताल सिर्फ कोरोना के उपचार के लिए ही निर्धारित किए जा चुके हैं। श्री चौहान की सरकार ने एक तरफ ये सुविधाएं जुटाकर कोरोना महामारी पर सीधा प्रहार किया, तो दूसरी तरफ गरीबों, निराश्रितों, श्रमिकों, किसानों और आदिवासियों के लिए विशेष उपायों की घोषणा करके इन वर्गों को इस लड़ाई के अप्रत्यक्ष परिणामों से सुरक्षा दी।

उदारता से आगे आया समाज

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर बीते 22 मार्च को जनता कर्फ्यू को उम्मीदों से अधिक सफल बनाकर समाज ने यह जता दिया था कि वह न सिर्फ प्रधानमंत्री जी की भावनाओं को समझ रहा है, बल्कि इस लड़ाई में उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को भी तैयार है। यही वजह है कि लॉकडाउन के दौरान आ रही मुश्किलों को झेलते हुए भी हमारा समाज उसे सफल बनाने में जुटा हुआ है। यही नहीं बल्कि समाज ने इस लड़ाई में पीड़ितों और जरूरतमंदों की सहायता के काम में भी काफी उदारता दिखाई है। पीड़ितों की मदद करने के प्रध ानमंत्री के आह्वान ने किस गहराई तक लोगों को छुआ, इसका अनुमान उन बच्चों के त्याग से लगाया जा सकता है, जिन्होंने पीएम केअर फंड में दान देने के लिए अपनी गुल्लक तोड़ दी या साइकल खरीदने के लिए एक–एक रुपया करके जोड़े हुए पैसे दान कर दिये। बड़ी संख्या में आगे आए सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने सिर्फ पीएम केअर फंड और मुख्यमंत्री सहायता कोष में उदारतापूर्वक दान ही नहीं दिया, बल्कि ये जरूरतमंद लोगों को भोजन और राशन उपलब्ध कराने में भी पीछे नहीं रहे।

पार्टी संगठन ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

कोरोना महामारी से मुकाबले के बीते तीस दिनों में एक तरफ जहां प्रदेश सरकार ने इस महामारी पर सीधे प्रहार किये तो, पार्टी के करीब 05 लाख समर्पित कार्यकर्ताओं की फौज पार्टी संगठन द्वारा तैयार की गई एक सुविचारित रणनीति के तहत इस महामारी के दुष्प्रभावों से लोगों को बचाने के लिए काम करती रही। चाहे घर लौट रहे प्रवासी मजदूर हों, बेसहारा बुंजुर्ग हों या जरूरतमंद गरीब परिवार, पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर किसी की मदद की। केंद्रीय नेतृत्व की मंशा को ध्यान में रखते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने समाज के सहयोग से कम्युनिटी किचन स्थापित किए, ताकि कोई भूखा न सोए। कार्यकर्ताओं ने अपने घरों में भोजन तैयार कराकर जरूरतमंदों तक पहुंचाया और पार्टी कार्यकर्ता अब तक लगभग 01 करोड़ 10 लाख भोजन पैकेट जरूरतमंदों तक पहुंचा चुके हैं। शासन और प्रशासन के साथ समन्वय करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने हजारों प्रवासी मजदूरों के लिए भोजन, आवास और चिकित्सा की व्यवस्था की। गरीब बस्तियों में जाकर 60 लाख से अधिक मास्क और सैनिटाइजर बांटे, तो लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का महत्व भी बताया। जरूरतमंद परिवारों के बीच पार्टी कार्यकर्ता अब तक 14 लाख, 43 हजार राशन किट वितरित कर चुके हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इससे भी अधिक महत्वपूर्ण काम किया कोरोना महामारी से मुकाबले के लिए संसाधन जुटाने का। पार्टी के 02 लाख 74 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने स्वयं तो पीएम केअर फंड में दान दिया ही है, उन्होंने अपने सामाजिक नेटवर्क के जरिए लगभग 08 लाख, 81 हजार लोगों को भी इस फंड में दान देने के लिए प्रेरित किया है। इसके अलावा पार्टी नेतृत्व द्वारा प्रदेश के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसमें वरिष्ठ नेता शामिल हैं। टास्क फोर्स के सदस्य सरकार और जनता के लगातार संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री के साथ टास्क फोर्स की नियमित रूप से बैठक हो रही है, जिसमें टास्क फोर्स के सदस्य उन्हें फीडबैक देते हैं। कुल मिलाकर बीते एक महीने में पार्टी संगठन ने जहां एक कुशल योजनाकार की भूमिका निभाई, तो कार्यकर्ताओं ने अपने आचरण से यह बता दिया कि देश और समाज के प्रति जिम्मेदार राजनी.

(विचार–मंथन)

शराब से ज्यादा देश जरूरी

लॉकडाउन नए सिरे से लागू होने के साथ ही देशभर में रेड, ऑरेज और ग्रीन जोन के हिसाब से नई व्यवस्था लागू हो गई। ग्रीन और ऑरेज जोन में शराब दुकान खोलने की अनुमति गई है। इसके बाद सुबह से ही इन दुकानों के बाहर लंबी–लंबी लाइनें देखी गईं।

कर्नाटक से लेकर दिलली, महाराष्ट्र, केरल और छत्तीसगढ़ से ऐसी तस्वीरें आई हैं। दिल्ली में कई किमी लंबी लाइनें नजर आईं। यहां लाठीचार्ज भी करना पड़ा। वहीं ग्रीन और ऑरेज जोन में नाई की दुकानें भी सोमवार से खुल गईं। बीते करीब डेढ़ महीने से घरों में कैद लोग अपनी कटिंग और शेविंग बनवाने पहुंच रहे हैं। हालांकि सभी दूर फिजिकल डिस्टेंसिंग यानी शारीरिक दूरी का पालन हो रहा है और लोग मास्क लगाकर पहुंच रहे हैं। जहां–जहां भारी अव्यवस्था नजर आई, वहां सवाल उठाए जा रहे हैं कि महामारी रोकना जरूरी है या शराब दुकानें खोलना। हालांकि, शराब की दुकानें खुलने पर कई राज्यों में सारे नियम ताक में रख दिए गए। शारीरिक दूरी के नियमों की परवाह किए बगैर लोग शराब की दुकानों के बाहर भारी भीड़ के रूप में जमा हो गए।

देश में लॉकडाउन का तीसरा दौर ऐसे समय शुरू हुआ है, जब कहा जा रहा है कि देश के सामने करो या मरो वाली स्थिति है। संक्रमण काबू में है जरूर, मगर किसी भी समय अपना रौद्र रूप दिखा सकता है।

दारू के प्यासे लोगों का उतावलापन जिस तरह से दिखा, वह सही नहीं है। कुछ लोगों की दारू के चक्कर में कहीं पूरा देश दवा पर न निर्भर हो जाए। सरकार ने हालांकि शराब की दुकानें खोलने की अनुमति दी है, तो कुछ सोचा भी होगा, मगर एक उपाय अमल में लाया जाता तो काफी बेहतर रहता। वह है–होम डिलेवरी। इस सुविधा के साथ शराब की दुकानें खोली जातीं तो लॉकडाउन का पालन भी हो जाता, लोगों की इच्छा भी पूरी हो जाती और सरकार की कमाई भी होती। लेकिन अभी जो व्यवस्था है, वह खतरे में डालने वाली है। इस पर सरकार को गौर करना होगा। ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन खत्म होते ही हम कोरोना के खतरे से मुक्त हो जाएंगे। कोरोना महामारी से निपटने के लिए भारत को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

लॉकडाउन का वक्त हमें यह बता रहा है कि अब हम ज्यादा सतर्कता बरतें और जिम्मेदार नागरिक बनें। ऐसा इसलिए भी है कि कोरोना ही नहीं, दूसरी संक्रामक बीमारियां भी कम बड़ा खतरा नहीं हैं। लोगों को यह समझना होगा कि लॉकडाउन जैसा कदम कोई सजा नहीं है, बल्कि खुद उनकी जान बचाने के लिए उठाया गया

सबसे जरूरी कदम है। आज इटली, स्पेन और अन्य यूरोपीय देश व अमेरिका जिस भयावह दौर से गुजर रहे हैं, उसके पीछे सबसे बड़ी लापरवाही लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं लेना ही रही है। हम इस तथ्य से भली–भांति परिचित हैं फिर भी खुद को और दूसरों को जोखिम में डाल रहे हैं। शराब का एक घूंट पूरे देश को लडख़ड़ाने पर मजबूर कर दे, यह गलत होगा।

लॉकडाउन से भारत की अर्थव्यवस्था को तकरीबन बारह लाख करोड़ रुपए का नुकसान होने का जो अनुमान व्यक्त किया गया है, वह निश्चित रूप से चिंताजनक है।

लेकिन देश इस वक्त जिस मुश्किल दौर से गुजर रहा है, उसमें सबसे पहली प्राथमिकता लोगों की जान बचाने और उन्हें सुरक्षित रखने की है।

इसलिए इस भारी–भरकम नुकसान को झ. ेलने के अलावा हमारे पास कोई रास्ता भी नहीं है। कोरोना विषाणु को फैलने से रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दुनिया भर के देशों को जो पहला परामर्श जारी किया था, वह लॉकडाउन का ही था। लॉकडाउन एक बेहद कठोर कदम है, लेकिन अपरिहार्य भी है।

अगर भारत ने लॉकडाउन नहीं किया होता, तो आज तस्वीर कहीं ज्यादा भयावह होती। लेकिन अब शराब के मतवाले अब तक की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं।

नफरत का बोझ

बहुत पुरानी कथा है। एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े–बड़े आलू साथ लेकर आएं। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिए, जिससे वे नफरत करते हैं। जो शिष्य जितने व्यक्तियों से घृणा करता है, वह उतने आलू लेकर आए। अगले दिन सभी शिष्य आलू लेकर आए। किसी के पास चार आलू थे तो किसी के पास छह। गुरु ने कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहां भी जाएं, खाते–पीते, सोते–जागते, ये आलू सदैव साथ रहने चाहिए। शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन वे क्या करते, गुरु का आदेश था। दो–चार दिनों के बाद ही शिष्य आलुओं की बदबू से परेशान हो गए।

जैसे–तैसे उन्होंने सात दिन बिताए और गुरु के पास पहुंचे। सबने बताया कि वे उन सड़े आलुओं से परेशान हो गए हैं। गुरु ने कहा– यह सब मैंने आपको शिक्षा देने के लिए किया था। जब सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिए कि आप जिन व्यक्तियों से नफरत करते हैं,

उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह नफरत आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक इन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से गलत भावनाओं को निकाल दो, यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम से कम नफरत तो मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। सभी शिष्यों ने वैसा ही किया।

आज का

दैनिक पंचांग

06 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2020 वर्ष का 127 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 19.45 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 13.51 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 20.38 बजे को समाप्त। **करण** गर 9.33 बजे तदनन्तर वणिज 19.45 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 36'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870510
जूलियन दिन 2458975.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 12
विशेष नरसिंह चतुर्दशी, नरसिंह जयन्ती, छिन्नमस्ता जयन्ती, गुरु अमरदास जयन्ती।

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मेष में
चंद्र	तुला में
मंगल	कुंभ में
बुध	मेष में
गुरु	मकर में
शुक्र	वृष में
शनि	मकर में
राहु	मिथुन में
केतु	धनु में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	5.56 बजे से
मिथुन	7.54 बजे से
कर्क	10.08 बजे से
सिंह	12.24 बजे से
कन्या	14.36 बजे से
तुला	16.46 बजे से
वृश्चिक	19.01 ब.से
धनु	21.17 बजे से
मकर	23.22 बजे से
कुंभ	1.09 बजे से
मीन	2.42 बजे से
मेष	4.12 बजे से

दिन का चौघड़िया

लाभ	05.54	से 07.22	बजे तक
अमृत	07.22	से 08.51	बजे तक
काल	08.15	से 10.19	बजे तक
शुभ	10.19	से 11.47	बजे तक
रोग	11.47	से 01.16	बजे तक
उद्वेग	01.16	से 02.44	बजे तक
चर	02.44	से 04.12	बजे तक
लाभ	04.12	से 05.41	बजे तक

रात का चौघड़िया

उद्वेग	05.41	से 07.12	बजे तक
शुभ	07.12	से 08.44	बजे तक
अमृत	08.44	से 10.16	बजे तक
चर	10.16	से 11.47	बजे तक
रोग	11.47	से 01.19	बजे तक
काल	01.19	से 02.51	बजे तक
लाभ	02.51	से 04.23	बजे तक
उद्वेग	04.23	से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास 6 मई

1529 बंगाल के शासक नुसरत अली को बाबर ने जबर्दस्त शिकस्त दी.
1576 फ्रांस में पांचवां धर्मयुद्ध समाप्त हुआ.
1589 प्रसिद्ध गायक तानसेन का निधन.
1757 प्रसिया के शासक फ्रेडेरिक द्वितीय की फौजों ने प्राग में रोमन फौजों को शिस्कत दी.
1839 ब्रिटेन की संसद ने जमैका का संविधान निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया.
1856 प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड का जन्म हुआ.
1861 मोतीलाल नेहरू का जन्म हुआ.
1932 फ्रांस के राष्ट्रपति पाल डोमर की हत्या एक रूसी ने की.
1941 जोसेफ स्टालिन वी.एम. मोलोतोव के स्थान पर सोवियत संघ के प्रधानमंत्री बने.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका और फिलीपींस की फौजों ने कारेगिडोर द्वीप पर जापानियों के समक्ष आत्मसमपर्ण किया.
1944 गांधीजी को पुणे के आगा खान पैलेस से रिहा किया गया.
1976 उत्तर,पूर्वी इटली में भूकम्प से एक हजार से अधिक लोग मारे गये.
1995 मुंबई नगरनिगम के उपायुक्त जी.आर.खैरनार को सेवा से बर्खास्त किया गया.

प्रसंगतः सबसे बड़ा सुख

राजा विक्रमादित्य के राज्य में एक सदाचारी, नेक और ईमानदार पुजारी रहता था। वह बहुत ही निर्धन था। एक दिन वह धन-प्राप्ति के उद्देश्य से अपने घर से निकल पड़ा। रास्ते में उसकी मुलाकात एक पहुंचे हुए महात्मा से हुई। पुजारी से बातें करने के बाद महात्मा समझ गए कि यह नेक, ईमानदार व गुणवान है। उन्हीं दिनों विक्रमादित्य अपना राज्य किसी योग्य व्यक्ति को सौंप कर महात्मा के संसर्ग में रहकर शांति से अपना शेष जीवन गुजारना चाहते थे। उन्होंने महात्मा को यह बात बताई हुई थी। महात्मा पुजारी को अपने साथ राजा के पास ले गए और उन्हें सारी बात बताई। महात्मा से पुजारी के बारे में जानकर विक्रमादित्य उसे राज्य सौंपने को तैयार हो गए। पुजारी ने सोचा कि यदि राजा विक्रमादित्य जैसा प्रतापी शासक अपना सब कुछ सौंपकर महात्मा जी के साथ जाना चाहता है, तो इसका अर्थ यह है कि शायद महात्मा के संसर्ग में राज-सुख से भी अधिक सुख प्राप्त होता होगा। वह राजा से बोला, 'महाराज, मैं भला एक मामूली सा व्यक्ति इतना बड़ा राजपाट कैसे संभालूंगा। मुझे तो इसका बिल्कुल भी अनुभव नहीं है। इसके योग्य तो आप ही हैं।' फिर वह महात्मा के पास जाकर बोला, 'गुरुजी, राजा तो राज्य त्यागकर आपके पास आने के लिए उत्सुक हैं। इससे तो यही जान पड़ता है कि इस दुनिया में राज-सुख से भी बड़ा कोई सुख है। मुझे तो आप अपनी शरण में ले लीजिए।' पुजारी की बात सुनकर महात्मा मुस्कराते हुए बोले, 'तुमने ठीक पहचाना। इस दुनिया में राज-सुख से भी बड़ा सुख है शांति से सभी दुर्गुणों पर विजय पाकर सबकी सेवा का संकल्प। इससे स्वतः ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है।' महात्मा का जवाब सुनकर वह पुजारी उन्हीं के साथ रहकर लोगों की सेवा में अपना जीवन बिताने लगा और कुछ ही दिनों में उसे अहसास हो गया कि उससे अधिक प्रसन्न और संतुष्ट राजा भी नहीं हैं क्योंकि अब उसके पास कोई चिंता नहीं थी।

राजकाज

कोरोना उड़ा रहा होश

भारत में अब तक 40 से ज्यादा दिनों से जारी लॉकडाउन के बाद कोरोना वायरस की रफ्तार धीमी जरूरी हुई है, लेकिन अब भी बहुत ज्यादा है। इसे इस बात से समझ सकते हैं कि भारत में डेली ग्रोथ रेट अब अमेरिका, इटली, ब्रिटेन जैसे कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों से भी ज्यादा है। कोरोना संक्रमण से सबसे बुरी तरह प्रभावित प्रभावित 20 देशों में डेली ग्रोथ रेट देखें तो भारत में वायरस बहुत ही तेज रफ्तार से फैल रहा है। लॉकडाउन के बावजूद कोरोना की यह रफ्तार अब चिंता बढ़ाने वाली है।

सरकारों को कमाई की चिंता

लॉकडाउन के कारण सभी गतिविधियां बंद रहने से राज्यों की कमाई पर बहुत बुरा असर पड़ा है। अब राज्यों ने अपनी कमाई बढ़ाने के तरीकों पर विचार कर दिया है। जहां शराब के साथ ही पेट्रोल और डीजल पर कोविड–19 टैक्स वसूलने की तैयारी की जा रही है। कहा जा रहा है कि कोविड–19 के मद्देनजर लॉकडाउन के चलते उप्र सरकार की कमाई को तगड़ा झटका लगा है। ऐसे में प्रदेश सरकार, दिल्ली की तरह यहां भी शराब पर विशेष कोरोना शुल्क लगा सकती है। दिल्ली में शराब पर कोरोना टैक्स लगा दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में शराब के साथ पेट्रोल महंगा करने की तैयारी

लखनऊ। लॉकडाउन के कारण सभी गतिविधियां बंद रहने से राज्यों की कमाई पर बहुत बुरा असर पड़ा है। अब राज्यों ने अपनी कमाई बढ़ाने के तरीकों पर विचार कर दिया है। जहां शराब के साथ ही पेट्रोल और डीजल पर कोविड–19 टैक्स वसूलने की तैयारी की जा रही है। कहा जा रहा है कि कोविड–19 के मद्देनजर लॉकडाउन के चलते उप्र सरकार की कमाई को तगड़ा झटका लगा है। ऐसे में प्रदेश सरकार, दिल्ली की तरह यहां भी शराब पर विशेष कोरोना शुल्क लगा सकती है। वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए पेट्रोल–डीजल पर भी जल्द टैक्स बढ़ाने की तैयारी है। लॉकडाउन के कारण अप्रैल में उत्तर प्रदेश सरकार का रेवेन्यु कलेक्शन बहुत कम हुआ है। सालाना टारगेट का मात्र 1.2 फीसद कर राजस्व ही सरकार को मिला है। सूत्रों के मुताबिक, अब राजस्व में भारी कमी को देखते हुए राज्य सरकार, शराब की दुकानें खोलने के साथ ही शराब पर अतिरिक्त कोरोना शुल्क लगाने की तैयारी में है।

अमेठी में कोरोना का पहला केस,अजमेर से लौटी महिला कोविड19 पॉजिटिव.

अमेठी । यूपी के ग्रीनजोन में शामिल अमेठी में पहला कोरोना पॉजि. टिव मरीज मिलने से हड़कंप मच गया।एक मई को 28 लोगो के जत्थे के साथ अजमेर से अमेठी आई 48 वर्षीय महिला की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद प्रसाशन ने एएच इंटर कालेज के एक किलोमीटर के परिधि को सील करने का आदेश दे दिया और पूरे इलाके को सेनेटाइज करने का काम शुरू कर दिया गया है।महिला को इलाज के लिए सुल्तानपुर जिले के कुड़वार में बने एल1 कोविड हॉस्पिटल में भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक मामला अमेठी जिले से जुड़ा है यहाँ की रहने वाली एक महिला 28 लोगो के साथ एक मई को अजमेर से अमेठी वापस आई थी जिसके बाद प्रसाशन ने सभी को मुसाफिरखाना स्थित एएच इंटर में कोरेंटाइन कराने के बाद सभी के सैम्पल की जांच को लखनऊ भेजा था जिसमे आज आठ लोगो की रिपोर्ट आई जिसमे सात लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई जबकि महिला की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई।बाकी 20 लोगों की रिपोर्ट आने का इंतजार प्रसाशन को है।वही अमेठी में पहला पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद अमेठी डीएम ने कहा कि ये महिला 28 लोगो के साथ एक मई को अमेठी आई थी।अजमेर पहले से रेड जोन में था जिसके बाद अमेठी पहुँचते ही सभी को एएच इंटर कालेज में क्वारेंटाइन किया गया था और सभी के सैम्पल को जांच के लिए लखनऊ भेजा गया था जिसमे महिला की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई जबकि सात लोगो की रिपोर्ट निगेटिव आई है बाकी 20 लोगो के रिपोर्ट आने का इंतजार है।क्वारेन्टाइन सेंटर मुसाफिरखाना के एएच इंटर कालेज के एक किलोमीटर की परिधि को सील कर दिया गया है और पूरे इलाके को सेनेटाइज कराया जारहा है।महिला को इलाज के लिए सुल्तानपुर जिले के कुड़वार में बने एल1 कोविड हॉस्पिटल में भेज दिया गया है।ग्रीनजोन में होने के बाद अमेठी में कल से छूट दी गई थी लेकिन जिले में पहला मरीज मिलने के बाद अधि ाकारियों को लॉकडाउन का और और सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया है और जो भी आवश्यक कदम होंगे उसे उठाये जाएंगे।

सरकार रखेगी क्वारंटीन सेंटर और कम्युनिटी किचन पर नजर

गाजियाबाद । यूपी सरकार गाजियाबाद के क्वारंटीन सेंटर और सामुदायिक रसोई पर जल्द ही लखनऊ से नजर रखना शुरू करेगी। इसके लिए यूपी सरकार ने गाजियाबाद के सभी क्वारंटीन सेंटर और रसोई की जिओ टैगिंग रिपोर्ट मांगी है। प्रदेश सरकार ने इस संबंध में गाजियाबाद प्रशासन को निर्देश दिया। साथ ही गाजियाबाद में 10 से 25 हजार लोगों को रखने के लिए क्वारंटीन सेंटर बनाने के लिए कहा है। इसके लिए जिला प्रशासन कई अस्पतालों को अधिग्रहित भी कर चुका है। बता दें कि गाजियाबाद में हर रोज हजारों लोगों में खाना बांटा जा रहा है। प्रशासन यह खाना कम्युनिटी किचन में तैयार करा रहा है। कई बार रसोई से खाने के वितरण में दिक्कतों की खबर आने के बाद डीएम खुद इनका निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन कई खबरें शासन तक पहुंच रही हैं। इसलिये सरकार ने लखनऊ से नजर रखने का कदम उठाया है

संभल में पुलिस और गो तस्करों के बीच हुई मुठभेड़

संभल । उत्तर प्रदेश के सम्भल में पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक बदमाश और एक सिपाही घायल हो गया है। इस घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक यमुना प्रसाद ने बताया कि बनियाठेर थाना क्षेत्र के अल्लीपुर बुजुर्ग गांव के नजदीक पुलिस ने गश्त के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों को रोकने का प्रयास किया। इस पर उन्होंने पुलिस पर गोली चलाई, जिसमें एक सिपाही मोछेंद्र कुमार घायल हो गया। उन्होंने बताया कि जवाब में पुलिस ने गोली चलाई जिसमें बिलाल नामक बदमाश घायल हो गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बिलाल का दूसरा साथी भाग गया। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश कर रही है। हालांकि बिलाल गोवंशीय पशुओं की तस्करी और गोकशी के मामले में रजपुरा थाने में वांछित था और उस पर लगभग आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। बता दें कि लॉकडाउन के दौरान भी उत्तर प्रदेश में आपराधिक मामले कम नहीं हो रहे हैं।

अन्य राज्य में फंसे तीन हजार से मजदूर पहुंचे अपने राज्य

बेरहामपुर । कोरोना वायरस के बचाव के लिए लागू लॉकडाउन के ओडिशा के गुजरात और केरल में तीन हजार प्रवासी मजदूर फंसे हुए थे। अब ये मजदूर विशेष रूप से चलाई गई श्रमिक ट्रेन के द्व ारा मंगलवार को ओडिशा के गंजम जिले में पहुंच गए हैं। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी। गुजरात स्थित सूरत से दो ट्रेनों में 2,400 मजदूर घर लौटे और केरल स्थित एरनाकुलम से 640 मजदूर एक अन्य ट्रेन से वापस आए। अधिकारियों ने बताया कि सभी तीन ट्रेनें बेरहामपुर के जगन्नाथपुर स्टेशन पर पहुंची। बताया गया कि 1,200 प्रवासी मजदूरों को लेकर एक अन्य ट्रेन सोमवार देर रात जगन्नाथपुर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। इसके बाद 2,300 से अधि ाक मजदूर सूरत और केरल स्थित अलुवा से गृह राज्य पहुंचे थे।

बीजेपी सरकार होने के बावजूद मजदूरों से लिया गया पैसा

लखनऊ । महाराष्ट्र और गुजरात से उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासी मजदूरों के आने का सिलसिला शुरू हो गई है। ऐसे में मजदूरों से पैसा लेना प्रतिबंधित है। मगर, गुजरात और यूपी में बीजेपी सरकारें होने के बावजूद मजदूरों से पैसा लिया गया। दरअसल, गुजरात के नादियाड से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में मजदूरों का एक जत्था आया। खेड़ा जिले के सात तहसीलों में फंसे 1134 मजदूरों को साबरमती गोरखपुर विशेष ट्रेन से रवाना किया गया। आरोप है कि मजदूरों से रेल टिकट के नाम पर 600–700 वसूले गए। जिससे मजदूर काफी

नाराज हैं। इनका कहना कि पिछले 40 दिनों से फैक्ट्री मालिकों की ओर से खाने–पीने का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। गुजरात से लखनऊ पहुंचे प्रवासी ओम प्रकाश ने कहा कि मैं वडोदरा से आ रहा हूं। मैं दिसंबर में गया था, जब लॉक डाउन की घोषणा हुई तो उसके दो–तीन दिन बाद जब सब लोग आने लगे तो हम लोग भी चल दिए थे, क्योंकि वहां खाने–पीने की दिक्कत थी। मगर, पुलिस वालों ने पकड़ लिया और क्वारनटीन के लिए भेज दिया। वहां पर हम लोगों की जांच वगैरह भी हुई, हम लोगों को 35 दिन रखा गया था। लेकिन अब हम लोगों से 555 रुपए का रेल टिकट लिया गया और लखनऊ पहुंचाया गया। ओम प्रकाश की ही तरह वडोदरा से आए तिलकधारी ने कहा कि मैं वडोदरा में फेब्रिकेशन का काम करता था। जब लॉक डाउन हुआ तो मैं वहां से निकल पड़ा, लेकिन पुलिस वालों ने पकड़ लिया और क्वारनटीन में रख दिया। मैंने 500 रुपये का रेल का टिकट लिया था और अब मैं जौनपुर जा रहा हूं। अब ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर मजदूरों से पैसा किसने लिया? लखनऊ में प्रवासी मजदूर के नोडल अधिकारी सुशील प्रताप सिंह ने कहा कि गुजरात से आए मजदूरों को नगर निगम की तरफ से खाना दिया गया। सभी लोगों के लिए बस सेवा निशुल्क है। जितने भी यात्री हैं उन सभी को उनके गंतव्य तक निशुल्क पहुंचाया जाएगा। हालांकि, वह इस सवाल का जवाब नहीं दे पाएं कि टिकट का पैसा किसने लिया। बता दें कि केंद्र सरकार ने कहा था कि मजदूरों के रेल किराए का 85 फीसदी भार खुद रेल मंत्रालय वहन कर रहा है, जबकि 15 फीसदी हिस्सा राज्य सरकारों को देना है।

साबरमती एक्सप्रेस 1200 श्रमिकों को लेकर पहुंची जौनपुर

जौनपुर । देशभर में कोरोना वायरस को लेकर हुए लॉकडाउन के कारण कई श्रमिक दूसरे राज्यों में फंस गए। गुजरात के अहमदाबाद में भी तमाम मजदूर फंस गए थे और वे घर वापसी के लिए परेशान थे। ऐसे में अहमदाबाद से साबरमती एक्सप्रेस द्वारा यूपी के 1200 श्रमिकों को लेकर जौनपुर भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन पहुंचने के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में सभी की थर्मल स्क्रीनिंग की गई।

उसके बाद उन्हें अलग–अलग 45 बसों से घरों के लिए रवाना किया गया। श्रमिकों में आठ दूसरे प्रदेश, 162 जौनपुर के व शेष अलग–अलग स्थानों के थे। प्रत्येक बसों में 25 से 30 श्रमिकों को उनके क्षेत्रों के हिसाब से सोशल डिस्टेंसिंग में बैठाया गया। 45 बसें जौनपुर, कैंट, काशी व चंदौली डिपो से रवाना की गईं। वहीं, अमेठी के लिए 5, कन्नौज के लिए 3, औरैया के लिए 3, जालौन के लिए 3, प्रतापगढ़ के लिए 2, गोरखपुर के लिए 2, सुल्तानपुर के लिए 2, आजमगढ़ के लिए 1, रायबरेली के लिए 1, वाराणसी और चंदौली के लिए 1, मीरजापुर, भदोही व सोनभद्र के लिए 2, प्रयागराज के लिए 1, कानपुर के लिए 1, इटावा के लिए 1, मऊ, गाजीपुर, बलिया के लिए 2, आगरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद व फर्रुखाबाद के लिए 2, उन्नाव, बाराबंकी व हरदोई के लिए 1, आंबेडकर नगर, अयोध्या, गोंडा व बलरामपुर के लिए 1, कुशीनगर, महाराजगंज व देवरिया के लिए 1, संत कबीरनगर, बस्ती व सिद्धार्थनगर के लिए 1, कौशांबी, बांदा, हमीरपुर, झांसी व ललितपुर के लिए 2, एटा, अलीगढ़, कासगंज, बदायूं, मुजफ्फरनगर, शामली, गाजियाबाद व गौतमबुद्धनगर के लिए 1 तथा जौनपुर के लिए कुल 6 बसें शामिल हैं।

उप्र में शराब की 300 करोड़ से ज्यादा की बिक्री –दुकानें खुलते ही टूट पड़े लोग

लखनऊ । लॉकडाउन के तीसरे फेज में शराब दुकानों के शटर खुले तो लोग शराब खरीदने टूट पड़े। शराब कारोबारियों की मानें, एक ?दिन में ही करीब 300 करोड से ज्यादा की शराब बेची गई। आमतौर पर खाली रहने वाली लखनउ की सड़कों पर सुबह सात बजे से ही लोगों की चहलकदमी शुरू हो गई। कोई झोला तो कोई कैरी बैग लेकर शराब की दुकान की ओर जाता दिखा। दुकानदारों ने भी पूरी तैयारी कर रखी थी। चूने से गोले और रस्सियों से घेराबंदी की गई थी। 10 बजते ही

छुट्टे की दिक्कत न हो इसलिए लोग कीमत जोड़कर रकम लाए थे। अलीगंज, महानगर, हसनगंज, हजरतगंज, ठाकुरगंज, कैसरबाग, आलमबाग, सुशांत गोल्फ सिटी, पीजीआई, काकोरी, मोहनलालगंज, गोमतीनगर, विभूतिखंड, चिनहट सहित कई जगहों पर कहीं आठ तो कहीं नौ बजे से पहले ही शराब खरीदने वालों की लाइन लग गई। कई इलाकों में तो लाइन आधे से एक किमी तक लंबी थी। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करवाने के लिए पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। नरही में खुद डीसीपी (सेंट्रल) दिनेश सिंह को लाठी लेकर उतरना पड़ा। कई जगह लोगों ने नियमों की धज्जियां उड़ा दीं।

शराब कारोबारियों की मानें तो यूपी में सोमवार को 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की शराब और बियर बिकी। लखनऊ में साढ़े छह करोड़ रुपये से ज्यादा की शराब बिकी। यूपी लिकर सेलर वेलफेयर असोसिएशन के महासचिव कन्हैया लाल मौर्य का कहना है कि गौतमबुद्धनगर, मुजफ्फनगर, गाजियाबाद, मुरादाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, प्रयागराज जैसे दर्जन भर जिलों में पांच करोड़ रुपये से ज्यादा की शराब सोमवार को बिकी। 43 दिनों बाद दुकानें खुलीं तो लोग स्टॉक करने के लिए बड़ी मात्रा में शराब खरीदने लगे। इसकी जानकारी मिली तो आबकारी विभाग ने लिमिट तय कर दी।

तय लिमिट के मुताबिक एक व्यक्ति को एक दिन में 750 एमएल की एक बोतल, दो अद्धे या तीन पौवे ही दिए जाएंगे। बियर की दो बोतलें या तीन केन बीयर ही एक बार में खरीदे जा सकेंगे। हालांकि इस ऑर्डर की जानकारी होते–होते ज्यादातर दुकानों पर शराब खत्म हो गई थी और दुकानें शाम 7 बजे से पहले ही बंद हो गईं। ज्यादा तेजी से बिक्री होने कारण कई दुकानों में माल खत्म हो गया जबकि थोक दुकानों से माल रिलीज नहीं किया गया। शराब की दुकान खोलने का फैसला कुछ नियमों और शर्तों पर हुआ था।

हिंदूवादी नेता रणजीत बच्चन हत्याकांड में दूसरी पत्नी सहित 4 पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

हिंदूवादी नेता रणजीत बच्चन हत्याकांड में दूसरी पत्नी सहित 4 पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी की राजधानी लखनऊ में फरवरी के महीने में हिंदूवादी नेता रणजीत बच्चन की हत्या हो गई थी इस केस में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस हत्या में शामिल सभी चार आरोपियों के खिलाफ हजरतगंज पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की है। हत्याकांड में रणजीत बच्चन की दूसरी पत्नी स्मृति वर्मा शामिल थी। इंस्पेक्टर हजरतगंज संतोष सिंह ने बताया कि रणजीत बच्चन की हत्या के मामले में पुलिस ने उनकी दूसरी पत्नी विकासनगर निवासी स्मृति वर्मा, रायबरेली निवासी दीपेंद्र वर्मा, उसके चालक संजीत और रिश्ते के भाई रायबरेली निवासी जितेंद्र वर्मा को गिरफ्तार किया था। मंगलवार को सभी आरोपियों के खिलाफ यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी संजीत को गैंग का लीडर बनाया है। रणजीत बच्चन की हत्या उनकी दूसरी पत्नी स्मृति ने आपसी मनमुटाव के चलते अपने प्रेमी दीपेंद्र वर्मा की मदद से करवाई थी।

गोरखपुर के रहने वाले विश्व हिंदू महासभा के अध्यक्ष रणजीत बच्चन अपनी पहली पत्नी कालिंदी के साथ ओसीआर बी ब्लॉक के फ्लैट नंबर 604 में रहते थे। वह 2 फरवरी की सुबह अपने दूर के एक रिश्तेदार आदित्य और पत्नी के साथ ओसीआर से मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। हजरतगंज इलाके में उनकी पत्नी दूसरी तरफ चली गईं, जबकि रणजीत बच्चन और आदित्य ग्लोब पार्क की तरफ से चले गए।

ग्लोब पार्क के पास पीछे से शॉल लपटे एक हमलावर ने पीछे से असलहे के बल पर उन लोगों को रोक लिया और दोनों के मोबाइल फोन छीनते हुए रणजीत के सिर और आदित्य के बाएं हाथ पर गोली मार दी। गोली लगने से रणजीत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आदित्य घायल हो गया था। इस मामले में आदित्य की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इस मामले में रणजीत सिंह और आदित्य से लूटा गया मोबाइल फोन रविवार देर रात भैसाकुंड के पास से लावा. रिस हालत में पुलिस को पड़ा मिला था। इस मामले में पुलिस ने संजीत, स्मृति और दीपेंद्र को 6 फरवरी को गिरफ्तार किया था, जबकि जितेंद्र वर्मा को 7 फरवरी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पकड़ा था।

मेरठ का कोरोना मॉडल हुआ फेल, आए 39 नए मरीज

मेरठ । कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण पर काबू पाने के लिए 'आगरा मॉडल' जैसी कोशिश मेरठ में भी फेल हो गई हैं। दरअसल, रविवार को 25 मरीजों की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के दूसरे दिन भी 14 नए केस सामने आए। बताया गया कि पिछले 41 दिन में मेरठ में लगातार दो दिन ये सबसे अधिक केस हैं। मेरठ के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉक्टर विश्वास चौधरी ने बताया कि जिले से कुल 238 सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। इनमें से 39 मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इनमें किदवई नगर निवासी एक की मौत हो गई थी। इसके बाद मेरठ में कुल मरीजों की संख्या 155 हो गई है। सीएमओ डॉ. राजकुमार ने सोमवार को बताया कि रविवार को कोरोना संक्रमित के केस बढ़ने के चलते मेरठ को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया। कंटेनमेंट घोषित करने के बाद पूरा मेरठ शहर ही हॉटस्पॉट बन गया है। सीएमओ के मुताबिक, 24 नए केस सब्जी मंडी से जुड़े हैं। 14 सोमवार के और 10 रविवार के केस इसमें शामिल हैं। जिलाधिकारी अनिल ढींगरा ने मेरठ को कंटोंनमेंट जोन घोषित करने के साथ पहले की सारी पाबंदी रखने और लॉकडाउन का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। जिला नोडल अधिकारी डॉ. विश्वास चौधरी ने बताया कि जो भी लोग संक्रमित पाए गए हैं वे सभी मंडी के आढ़ती हैं। फिलहाल संक्रमित पाए गए सभी लोगों के संपर्कों को खंगाला जा रहा है।

गाजियाबाद में डीलर पर लगा राशन नहीं देने का आरोप

गाजियाबाद । गाजियबाद के शांति नगर कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने डीलर पर राशन नहीं देने का आरोप लगाया है। इस सिलसिले में लोगों ने कहा कि उनके पास आधार कार्ड है और कुछ के पास राशन कार्ड भी हैं, लेकिन डीलर उन्हें राशन नहीं दे रहा है। इस बारे में राशन लेने आए सुनील कुमार ने बताया कि वह बिहारीपुरा में रहते हैं, उन्हें राशन शांति नगर डीलर की दुकान से मिलता था। मगर, डीलर ने यह कहते हुए राशन देने से मना कर दिया कि उसका राशन कार्ड कैंसल हो गया है। वहीं, मनोज और विष्णु ने बताया कि उनके पास आधार कार्ड है। राशन कार्ड नहीं है। लॉकडाउन की वजह से उनका काम धंधा छूट गया है, इसलिए वह राशन लेने आए हैं, लेकिन डीलर ने उन्हें भी मना कर दिया।

तीन बेटियों संग महिला ने दी जान, शराब पीने को लेकर पति से हुआ था विवाद

गोरखपुर । उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में महिला ने अपने तीन बेटियों संग ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी।जानकारी के मुताबिक महिला का उसके पति के साथ शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था। घटना के बाद से ही पति फरार है। घटना उनौला रेलवे स्टेशन के पास की है। शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। यूपी में लॉकडाउन के दौरान शराब की दुकान खोलने का बड़ा साइड इफेक्ट उस समय दिखा, जब पति के शराब पीने को लेकर हुए विवाद में पत्नी ने अपनी तीन बेटियों के साथ खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि पति–पत्नी में अक्सर शराब पीने को लेकर विवाद हुआ करता था। हालांकि लॉकडाउन की वजह से शराब की दुकान बंद होने से पति–पत्नी का विवाद थम सा गया था। लेकिन सोमवार को यूपी में 40 दिनों के बाद शराब की दुकान खुलने पर एक बार फिर महिला का पति शराब पीकर घर पहुंचा था। इस लेकर महिला और उसके पति में जमकर विवाद हुआ। इसके बाद शराबी पति की हरकतों से परेशान आकर महिला ने उनौला स्टेशन के पास पहुंचकर तीन बेटियों के साथ ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या ली। महिला ने सोमवार देर रात ट्रेन के इंजन के सामने कूदकर खुदकुशी की। गौरतलब है कि पिपराईच थाना के उनौला के अजय निषाद ने दस साल पहले गांव की ही पूजा निषाद से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद में दोनों के घर तीन बेटियों सारिका (9 साल), सिमरन (7साल) और सौम्या (5 साल) ने जन्म लिया। बताया जा रहा है कि बेटियों के वजह से भी पति और पत्नी में अक्सर विवाद हुआ करता था। इस दौरान घरेलू विवाद में अजय को शराब पीने की लत लगी। जिसकी वजह से आए दिन पति–पत्नी में विवाद होने लगा।

पिपराईच थानेदार प्रमोद त्रिपाठी का कहना है कि अक्सर विवाद के बाद महिला अपनी बेटियों के साथ मायके चली जाती थी। लेकिन सोमवार रात हुए विवाद के बाद आवेश में आकर महिला ने अपनी तीनों बेटियों के साथ खुदकुशी कर ली। फिलहाल आरोपी पति की तलाश की जा रही है। साथ ही मृतक महिला की मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने अजय निषाद पर धारा 306 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्रेमिका के घर प्रेमी की मौत, फांसी पर लटका मिला युवक का शव

अयोध्या (ईएमएस)। जिले में प्रेम प्रसंग में प्रेमी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रेमिका के घर में ही फांसी के फंदे पर प्रेमी का शव लटका मिला। थाना महाराजगंज के सारंगपुर गांव में पिंटू राजभर के घर में केशवपुर निवासी 30 वर्षीय सुरेश गौड़ का शव फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मंगलवार की सुबह पांच वजे ही घटनास्थल पर पहुंच गये। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया। पुलिस ने जांच के लिये पिंटू राजभर की पत्नी व तीन पुत्रियों को हिरासत में लिया है। बताया गया कि पिंटू राजभर जीविका के लिए घर से बाहर रहता है। घर पर उसकी पत्नी व तीन पुत्रियां ही रहती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इरफान को एक 'फाइटर' के रूप में याद करती राधिका

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' में इरफान खान की बेटी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री राधिका मदान इरफान खान को एक 'फाइटर' के रूप में याद करती हैं। राधिका ने कहा, ष्मुझे नहीं पता कि क्या कहना चाहिए। जब मैं यह लिख रही हूं, मेरा दिल दुख रहा है। मैं जिन लोगों को जानती हूं, उनमें से वे सबसे मजबूत इंसान थे, एक फाइटर थे। और सुतापा मैम (इरफान की पत्नी) और बाबिल और अयान (उनके बेटे) भी।ष राधिका ने अपने बयान में आगे कहा, ष्मैं बस आभारी हूं कि उनके जीवनकाल में हमारे रास्ते एक हुए थे। वह कई लोगों के लिए प्रेरणा थे, और हमेशा रहेंगे। एक दिग्गज। वह शख्स जिसने भारतीय फिल्म उद्योग की लहर बदल दी। उनकी आत्मा को शांति मिले।

संदीपा धर ने की अपने वर्कआउट की तस्वीर साझा

मुंबई । अभिनेत्री संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर वर्कआउट के बाद अपनी एक खूबसूरत तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की है। जिसमें उनके चेहरे पर सूर्य की रोशनी पड़ रही है, जिससे उनका चेहरा और निखरा नजर आ रहा है। इस तस्वीर के कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा है कि ष्सन किस्ड.., वे आपके पास हवा में सांस लेने वाले परिवर्तनों के साथ हमेशा के लिए एक मिठास छोड़ जाते हैं।ष इसके बाद उन्होंने अपना एक वीडियो भी पोस्ट किया था, जिसमें वह इंटरनेशनल डांस डे के अवसर पर क्लोन फिल्टर के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि ष्हैशटैग इंटरनेशनल डांस डे, माफी चाहूंगी, जो मैंने आपका कॉल नहीं उठाया, दरअसल मैं फोन के रिंगटोन पर डांस कर रही थी।ष

अभिनेता जितेंद्र ने खोया अपना एक अच्छा दोस्त

दिग्गज अभिनेता जितेन्द्र ने ऋषि कपूर के निधन पर अपना दुख व्यक्त किया है। जितेंद्र ने कहा कि उनके पास अपना दुख व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं है। उन्होंने कहा, ष्इस समय मेरे पास दिल उठ रही भावनाओं के आघात और उसकी गहराई को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैंने एक दोस्त को खो दिया है, जो मेरे लिए एक भाई से बढ़कर था। भले ही हम पिछले कुछ सालों में कम मिले, लेकिन हमारी दोस्ती हमेशा वक्त की कसौटी पर खरी उतरी है।ष जितेंद्र ने यह भी कहा कि ष्ऋषि कपूर लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। एक कभी न खत्म होने वाला रिश्ता, जिसे हमने एक ही इंडस्ट्री के होने के बाद भी पेशे से हमेशा ऊपर रखा! यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैं इस वक्त व्यक्तिगत रूप से उनके परिवार को सांत्वना नहीं दे पाऊंगा। फिर भी, हमारा पल जिसे हमने साथ में बिताया, वह हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे।ष बता दें कि जितेंद्र और ऋषि कपूर ने 'घर की इज्जत', 'बदलते रिश्ते' और 'खजाना' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

जाह्नवी कपूर ने किया वाराणसी को याद

देशव्यापी लॉकडाउन के समय में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर वाराणसी को काफी याद कर रही हैं। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर एक स्लो मोशन वीडियो साझा की है, जिसमें वह वाराणसी के घाट पर एक नाव में बैठी नजर आ रही हैं। वीडियों में वह सफेद रंग का कुर्ता सेट पहने नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने लाइम ग्रीन रंग का दुपट्टा लिया है। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि ष्हैशटैगवाराणसी की याद। फोटो शेयरिंग वेबसाइट पर इस वीडियो को अब तक 816,000 बार देखा जा चुका है।ष बता दें कि हाल ही में जाह्नवी ने अपने प्रशंसकों के लिए अपनी एक सन किस्ड तस्वीर साझा की थी। ये तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझ की थी।

अप्रैल में नहीं हुई बिक्री, फिर भी छोड़ दिया पीछे

–ह्यूंदै मोटर इंडिया ने बिक्री के आधिकारिक आंकड़े जारी किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले महीने भारत में ह्यूंदै मोटर कंपनी की एक भी यूनिट नहीं बिकी। हालांकि फिर भी बिक्री के मामले में ह्यूंदै मोटर ने देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी को पीछे छोड़ दिया। मालूम हो कि पिछला महीना ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए काफी बुरा साबित हुआ है। ह्यूंदै मोटर इंडिया ने अप्रैल 2020 में हुई बिक्री के आधिकारिक आंकड़े जारी किए है। दरअसल कोवीड–19 महामारी के चलते भारत में सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों का प्रॉडक्शन और रिटेल बंद है। ऐसे में इन दोनों ही कंपनियों की घरेलू बाजार में तो एक भी कार नहीं बिकी। लेकिन उन्होंने कारों को दूसरे बाजार में निर्यात जरूर किया है। अप्रैल में ह्यूंदै मोटर्स ने 1,341 यूनिट्स एक्सपोर्ट की, जबकि मारुति सुजुकी ने पिछले महीने सिर्फ 632 यूनिट्स की निर्यात की हैं।

मारुति से ज्यादा निर्यात महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने किया है। कंपनी ने पिछले महीने 733 गाड़ियों को निर्यात किया। पिछले साल के मुकाबले, अप्रैल 2020 में ह्यूंदै के निर्यात में भी 92 फीसदी की गिरावट हुई है। अप्रैल 2019 में कंपनी ने 16,800 गाड़ियां निर्यात की थीं। कंपनी ने बताया कि पूरा निर्यात सरकार की गाइडलाइन्स के अनुसार किया गया है और पर्याप्त सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। ह्यूंदै मोटर इंडिया के बीएस6 पोर्टफोलियो में फिलहाल सैंट्रो, ग्रैंड आई10, ग्रैंड आई10 नीयोस, एलीट आई20, ऑरा, वरना, एलांट्रा, वेन्यू और क्रेटा जैसी कार शामिल हैं।कंपनी ने बताया कि लॉकडाउन में जो टोटल बुकिंग मिली है इसमें से 75 फीसदी सिर्फ क्रेटा को मिली है। कंपनी की सेंकेंड जेनरेशन क्रेटा को लोग लॉकडाउन में भी बुक कर रहे हैं। मार्च में हुई लॉन्चिंग से पहले ही कार को 14 हजार प्री–बुकिंग मिल गई थी और अब यह आंकड़ा 20 हजार पार कर गया है।

कई कार कंपनियों की भारत में होगी एंट्री

– ये कारें दौड़ती नजर आएंगी देश की सडकों पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले साल एमजी और किआ जैसे ब्रैंड्स ने भारतीय बाजार में एंट्री की। अब कई और ब्रैंड्स भारत में एंट्री की तैयारी कर रहे हैं। यहां हम आपको ऐसे ही कुछ ब्रैंड्स के बारे में बता रहे हैं जिनकी कारें जल्द ही आपको भारतीय सड़कों पर दौड़ भरती नजर आएंगी। टेस्ला मॉडल 3 सिडैन कार के साथ भारत में अगले साल एंट्री कर सकता है। टेसला मॉडल 3 को सबसे पहले साल 2016 में अमेरिका के एलए में पेश किया गया था। भारत में यह कार 40 लाख से 50 लाख रुपये के बीच के प्राइस टैग के साथ लॉन्च हो सकती है। चेरी चीन का ऑटोमोबाइल ब्रैंड है। भारतीय बाजार में जगह बनाने में कंपनी टाटा मोटर्स का सहयोग मिलेगा। चेरी के साथ टाटा की पार्टनरशिप के तहत जैगुआर और लैंड रोवर जैसा कारें बनाई गई हैं। यह भी चीन का ऑटोमोबाइल ब्रैंड है।

कंपनी ने ऑटो एक्सपो 2020 में हेमा 7एक्स, हेमा 8 एस और बर्ड–ई1 मॉडल्स पेश किए थे। ये मॉडल्स भारत में अगले 2 से 3 सालों में लॉन्च हो जाएंगे। चीन की ऑटोमोबाइल कंपनी ग्रेट वॉल मोटर्स भारत में एंट्री को तैयार है। भारत में कंपनी के ऑपरेशंस को लीड करने के लिए ग्रेट वॉल ने मारुति सुजुकी के कौशिक गांगुली को हायर किया है। यह एक फ्रेंच ऑटोमोबाइल ब्रैंड है। भारत में इसने सीके बिरला ग्रुप के साथ हाथ मिलाया है और जल्द ही भारत में अपना पहला मॉडल लॉन्च करेगी। माना जा रहा कि साल 2021 के पहली तिमाही में सीट्रोइन की पहली कार भारतीय बाजार में उतार दी जाएगी। बता दें ?कि बीते एक दशक में भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में काफी बदलाव आए हैं। दुनिया भर से कई बड़े ब्रैंड्स ने भारत का रुख किया और नए मॉडल्स के साथ भारतीय बाजार में एंट्री की। मौजूदा समय में दुनिया के लगभग सभी बड़ें ब्रैंड्स भारत में मौजूद हैं।

स्वीडिश फुटबॉलर ज्लाटन से प्रेरित होते हैं बुमराह

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह स्वीडन के फुटबॉलर ज्लाटन इब्राहिमोविक के काफी बड़े प्रशंसक हैं। बुमराह उनकी जिंदगी से काफी प्रेरित हैं। इस तेज गेंदबाज ने सोशल मीडिया पर स्वीडिश फुटबॉलर का 36 सेकंड का एक शानदार वीडियो शेयर किया, जो उनके करियर के उसूलों से संबंधित है। इस वीडियो में ज्लाटन के अनुसार वे सोशल मीडिया वाली जिंदगी नहीं जीते। उनका ध्यान इस पर है कि वे किस तरह का प्रदर्शन करते हैं, वे ये भी जानते हैं कि किस तरह वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

ज्लाटन के अनुसार वे जो कर सकते हैं, उसमें वे सर्वश्रेष्ठ हैं। बाकी की चीजें मायने नहीं रखती, क्योंकि अगर आप फुटबॉल खिलाड़ी नहीं होते तो आपको कोई नहीं पहचानता। ज्लाटन का मिलान के साथ ये दूसरा करार है। बुमराह ने हाल ही में युवराज सिंह और रोहित शर्मा के साथ इंस्टाग्राम लाइव में खुलासा किया था कि वे ज्लाटन से प्रेरणा

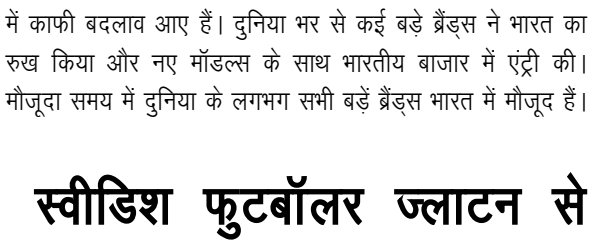

लेते हैं। रोहित के साथ बातचीत में बुमराह ने बताया कि उन्हें स्वीडन के फुटबॉल ज्लाटन काफी पसंद हैं। बुमराह ने बताया, 'मुझे इब्राहिम बहुत पसंद है। मैं उनकी कहानी में अपनी कहानी देखता हूं। शुरुआत में लोगों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया था औ- फिर वह स्टार बने। मुझे भी शुरुआत में लोगों ने गंभीरता से नहीं लिया था लेकिन मैंने उन्हें गलत साबित किया और अब भी कर रहा हूं। बुमराह ने इस लाइव वीडियो में लसित मलिंगा के बारे में भी बात की और बताया कैसे उन्हें

डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर जॉन सिना ने कोरोना पीड़ित नन्हे प्रशंसक से मिलकर किया अंचभित

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका के हॉलिवुड स्टार और व्यवसायिक रेसलर (डब्ल्यूडब्ल्यूई) जॉन सिना ने मानवीयता की अद्भुत मिसाल पेश की है। कोविड–19 वायरस के खतरे के चलते उन्होंने अपने प्रशंसकों से मिलना नहीं छोड़ा है। जॉन अभी भी उन लोगों से मिल रहे हैं, जो उनसे मिलना चाहते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि जॉन इस घातक बीमारी के प्रति लापरवाह हैं। वह इस वायरस को रोकथाम के लिए पूरी जागरूकता के साथ सभी संभव उपाय अपनाते हुए घर से बाहर निकलते हैं।

अमेरिका कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा पीड़ित देश है और इस प्राणघातक वायरस के चलते दुनिया में सबसे ज्यादा मौते इसी देश में हुई हैं। लेकिन जॉन सीना पूरी सावधानी बरतते हुए अपने चाहने वालों से मिल रहे हैं।

हाल ही में जॉन सिना ने 7 साल के एक कैंसर पीड़ित बच्चे से मिलकर उसे सरप्राइज दिया। डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलिंग स्टार जॉन सिना अमेरिका में 'मेक अ विश' फाउंडेशन से जुड़े हैं। अमेरिका का यह फाउंडेशन बीमार बच्चों की लाइफ चेंजिंग विश को पूरा करने का काम करता है। इसी के तहत जॉन सीना ने 7 साल के कैंसर पीड़ित डेविड कास्टल से मिलने उसके घर पहुंचे।

अमेरिका टैंपा में रहने वाले कास्टल अपने इस हीरो को देखकर अंच. भित रह गया। सीना यहां हाथ में ग्वब्स, मुंह पर मास्क और ग्रीन रंग के आर्म बैंड पहनकर कास्टल से मिलने पहुंचे थे। सीना ने कास्टल को देखते ही गले लगा लिया। सीना ने कास्टल को उनके बर्थडे का यह एडवांस गिफ्ट दिया है ं।कास्टल इस महीने 10 तारीख को 8 साल के हो जाएगा।

जॉन सीना मेक अ विश फाउंडेशन के लिए सबसे ज्यादा विश पूरी करने वाले स्टार भी हैं। फास्ट एंड फ्यूरियस 9 के इस स्टार कास्टर और उनके परिवार के साथ तस्वीरें भी खिंचाईं। कास्टल को किडनी संबंधित कैंसर है। इस मौके पर सीना ने कास्टल को डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप बेल्ट की रिप्लिका भी भेंट की। इसका साथ–साथ उन्होंने अपने साइन वाली एक टीशर्ट, बबलहेड, हैट, आर्मबैंड्स भी कास्टल को गिफ्ट में दिए।

शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे मजबूत

मुंबई (ईएमएस)। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया मंग. लवार को 15 पैसे की मजबूती के साथ 75.58 पर रहा। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में बढ़त और डॉलर के अन्य वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले कमजोर पड़ने का लाभ रुपढ को मिला। हालांकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी से यह बढ़त थमी रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 75.62 पर खुला। जल्द ही इसमें सुधार देखा गया और पिछले बंद के मुकाबले यह 15 पैसे की बढ़त के साथ 75.58 रुपए प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा है। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 75.73 पर बंद हुआ था।

पुर्तगाल और स्पेन की फुटबॉल टीमों के बीच पुरानी है जंग

मैंड्रिड (ईएमएस)। स्पेन और पुर्तगाल फुटबॉल जगत की दो सबसे पुरानी प्रतिद्वंदी रहीं हैं। इसके पीछे दोनों का राजनीतिक इतिहास जिम्मेदार रहा जिस कारण ये हमेशा ही एक –दूसरे के खिलाफ जीत चाहती हैं। पहले इनके होने वाली जंग की जगह अब फुटबॉल के मैदान ने ले ली है। आज भी दोनो ही देश के प्रशंसक अपनी टीमों को हारता हुआ नहीं देखना चाहते। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला दोस्ताना मुकाबला था जो 18 दिसंबर 1921 में खेला गया था। मैड्रिड में खेले गए इस मैच में स्पेन ने पुर्तगाल को 3–1 से हराया था। इसके बाद 1926 में दोनों का मुकाबला 2–2 से बराबरी पर रहा। पुर्तगाल को पहली जीत 1947 में मिली जब वह 4–1 से जीत हासिल करने में सफल रहा। तभी से अभी तक 36 बार दोनों एक–दूसरे के सामने आये हैं। इसमें से स्पेन को 18 जबकि पुर्तगाल को केवल छह बार जीत मिली है।

आज तक दोनों के बीच मुकाबलों के रिकॉर्ड को देखकर स्पेन का पलड़ा भारी दिखता है। अब तक खेले गए 36 मैचों में पुर्तगाल ने छह जबकि स्पेन ने 18 मुकाबले जीते हैं। इनमें से 14 मैच ड्रॉ रहे। दोनों टीमें आज तब फीफा विश्व कप में छह बार आमने–सामने आई हैं जिसमें चार बार स्पेन जीता हैं, वहीं दो मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। पुर्तगाल एक बार भी जीत हासिल नहीं कर पाया है। वहीं यूएफा यूरोपियन चैंपियनशिप

में दोनों के बीच तीन मैच खेले गए हैं जिसमें पुर्तगाल ने एक मैच जीता है वहीं एक मैच ड्रॉ रहा है.दोस्ताना मैचों की बात करें तो 27 मैचों में पुर्तगाल ने पांच और स्पेन ने 12 मुकाबले जीते हैं, इसके अलावा 10 मैच ड्रॉ रहे। स्पेन ने 2010 में फीफा विश्व कप का खिताब जीता। वहीं पुर्तगाल अब तक ऐसा करने में नाकाम रहा है। यूईएफा चैंपियनशिप में स्पेन 1964,2008 औ- 2012 में चैंपियन रहा है वहीं पुर्तगाल केवल 2016 में चैंपियन रहा। ओलिंपिक खेलों में भी स्पेन आगे है जिसने 1920 में रजत पदक हासिल किया वहीं पुर्तगाल अब तक कोई पदक नहीं जीत पाया है।

स्पॉट फिक्सिंग में फंसे पाक क्रिकेटर आसिफ ने मांग एक और अवसर

लाहौर (ईएमएस)। स्पॉट फिक्सिंग के कारण टीम से बाहर हुए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ ने कहा है कि उन्हें एक और अवसर मिलना चाहिये। आसिफ ने कहा है कि स्पॉट फिक्सिंग में

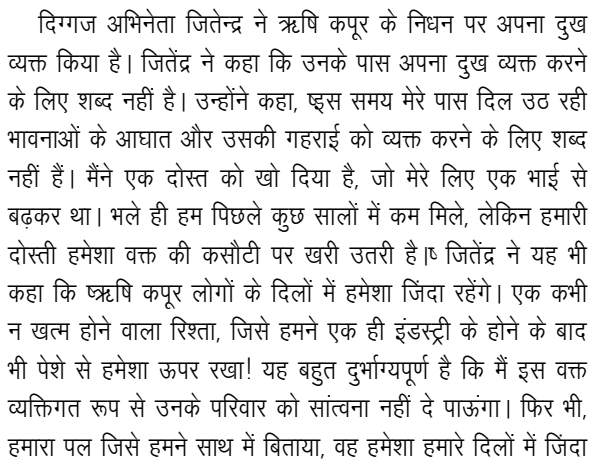

शामिल होने वाले वह न तो पहले खिलाड़ी हैं और न ही आखिरी, इसलिए क्रिकेट बोर्ड को उनके साथ भी बेहतर व्यवहार करते हुए दूसरों की तरह एक मौका देना चाहिये। आसिफ पर पाक टीम के साल 2010 के इंग्लैंड दौरे पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों के कारण सात साल का प्रतिबंध लगाया गया था। वह ब्रिटेन में जेल में भी रहे। आसिफ ने कहा कि हर कोई गलती करता है और उन्होंने भी की. उनसे पहले और बाद में भी लोगों ने फिक्सिंग की, पर उनसे पहले यह गलती करने वाले पीसीबी के साथ काम कर रहे हैं और उनके बाद वाले अभी भी खेल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर किसी को दूसरा मौका दिया गया, पर उनके जैसे कुछ खिलाड़ियों को यह अवसर नहीं मिला। पीसीबी ने मुझे बचाने की कभी कोशिश नहीं की। आसिफ से पहले पूर्व कप्तान सलीम मालिक ने भी मैच फिक्सिंग के कारण उन पर लगा आजीवन प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया था जिससे वो भी कोचिंग का अपना सपना पूरा कर सकें। मलिक को 2000 में मैच फ़िक्सिंग का दोषी पाया गया था, जिसके बाद से ही उन पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था। अकरम की तरफ इशारा करते हुए मलिक ने कहा था कि भ्रष्टाचार के दोषी अन्य खिलाड़ियों को खेल में वापसी की अनुमति दी गई, लेकिन उन्हें नहीं। वहीं किस्तान के पूर्व कप्तान रहे इंज़माम उल हक़ ने भी कहा कि मालिक को दूसरा मौका देना

प्रसारण अधिकार के लिए सलाह. कार कंपनी तलाश रहा पीसीबी

कराची (ईएमएस)। आर्थिक तंगी से परेशान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब मीडिया प्रसारण अधिकारों के जरिये अच्छी रकम हासिल करना चाहता है। पीसीबी ने इसके लिए सलाहकार फर्म की सेवाएं लेना तय किया है जिसकी तलाश उसने शुरु कर दी है।

पीसीबी अगले चार साल के चक्र के लिये मीडिया प्रसारण अधिकार अच्छे दाम पर बेचना चाहता है। पीसीबी अध्यक्ष एहसान मनी ने हाल ही में कहा था कि बोर्ड को 2020 से 2023 के चक्र के लिये अपने अंतरराष्ट्रीय मैचों के मीडिया प्रसारण अधिकार बेचने में परेशानी आ सकती है। बोर्ड ने सलाहकार फर्म के लिये एक विज्ञापन भी दिया था। इसमें टेंडर भेजने की आखिरी तारीख 14 मई है। ि

पछले साल पीटीवी स्पोटर्स और टेन स्पोटर्स के साथ हुए करार में पीसीबी को चार साल के लिये 149000 लाख डॉलर मिले थे पर उसमें भारत के खिलाफ दो घरेलू श्रृंखलायें भी शामिल थी।

भारतीय टीम के नहीं आने से इसमें से 90000 डॉलर घटा दिए गये थे

जिससे पीसीबी को खासा झटका लगा था।

अब पीसीबी का प्रयास है कि किसी तरह उसे अच्छी रकम मिल जाए।

गेंद चमकाने लार के इस्तेमाल पर रोक से एकदिवसीय क्रिकेट पर नहीं पड़ेगा असर : उनादकट

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए माना जा रहा है कि जब क्रिकेट फिर शुरु होगा तो गेंद चमकाने के लिए लार और पसीने के इस्तेमाल पर रोक लगेगी। इससे एक नई बहस छिड़ गयी है क्योंकि कई दिग्गजों का मानना है कि इससे स्विंग गेंदबाजी समाप्त हो जाएगी। इसी बीच युवा तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट का मानना है कि सीमित ओवर के क्रिकेट (एकदिवसीय और टी20) में इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। उनादकट ने अभी तक भारतीय टीम की ओर से सात एकदिवसीय और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रायल्स की ओर से खेलते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सफेद गेंद के क्रिकेट को समस्या नहीं होगी। यहां तक कि एकदिवसीय में आप 25–25 ओवर के लिए दो नयी गेंद लेते हो। सफेद गेंद के क्रिकेट में 'रिवर्स स्विंग' कभी भी अहम नहीं रही है। यहां तक कि जहां तक सफेद गेंद का संबंध है तो नयी गेंद के लिये आपको पसीने या लार की जरूरत नहीं पड़ती।''इसके पीछे कारण यह है कि सफेद रंग की गेंद पर स्विंग के लिये बहुत कम या बिलकुल पसीने या लार की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा, ''सफेद गेंद को अगर आप अपनी पैंट पर रगड़ोगे तो भी यह चमकदार बनी रहेगी जबकि टेस्ट मैचों में इस्तेमाल होने वाली लाल गेंद को चमकाने के लिए लार और पसीने की ज्यादा जरूरत होती है।''इसलिये उन्हें लगता है कि सीमित ओवर के क्रिकेट में गेंदबाजों के लिये कम जोखिम होगा और इन्हें टेस्ट और प्रथम श्रेणी मैचों से पहले शुरू किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में शराब की दुकानें खुलते ही उमड़ी भीड़

जयपुर । राजधानी जयपुर समेत प्रदेशभर में शराब की दुकानें खुलते ही लोगा की भीड़ उमड़ पड़ी। इसके बाद देखते ही देखते सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ने लगी और भीड़ बढ़ती ही गई। इसकी सूचना जैसे ही बकारी विभाग को लगी तो अधिकारी एक्शन में आए और जयपुर समेत अन्य शहरों में भी शराब की दुकानों/ठेकों को तत्काल बंद करवाना शुरू कर दिया। इस बीच ऐसी अफवाह भी फैलने लगी की सरकार ने शराब की दुकानें बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। ऐसे में लोगों की भीड़ और भी बढ़ने लगी। आबकारी विभाग ने कहा कि दुकानें सोशल डिस्टेंसिंग की पालना नहीं होने के चलते बंद कराई गई हैं। ऐसा आबकारी विभाग की ओर से सोशल

डिस्टेंसिंग की पालना नहीं होने पर किया गया है। जल्द ही यहां टोकन सिस्टम लागू किया जाएगा जिससे शराब की दुकानों पर भीड़ न बढ़े और सोशल डिस्टेंसिंग सही तरीके से लागू हो सके। आबकारी अधिकारी सुनील भाटी ने कहा कि राजधानी में उन शराब दुकानों को बंद कराया गया है जहां सरकारी गाइडलाइन का पालन नहीं हो रहा था। अब ऐसी दुकानें नई व्यवस्था के बाद ही खुल सकेंगी। शराब की दुकानों पर सोशल डिसटेंसिग की कड़ाई से पालना के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। शराब की बिक्री को लेकर आबकारी विभाग ने सरकार को पहले दिन उमड़ी भीड़ को लेकर जानकारी दी है। इसके बाद अब यह बताया जा रहा है कि सरकार जल्द ही नई गाइडलाइंस तैयार करने जा रही है। इस नई गाइडलाइन के अनुसार ही शराब की दुकानें खुलेंगी।

राजस्थान में बस वाले वसूल रहे मजदूरों से 3 गुना किराया

जयपुर । राजस्थान में लॉकडाउन में फंसे मजदूरों की गृह वापसी रही है। ऐसे में प्राइवेट बस ऑपरेटर मजदूरों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। मजदूरों ने कहा कि निजी बस ऑपरेटर उनसे तय किराये के मुकाबले तीन गुना तक ज्यादा वसूल रहे हैं। वहीं सरकारी स्तर पर कहा जा रहा है कि मजदूरों का किसी भी स्तर शोषण नहीं होने दिया जाएगा। कोई ऐसा करता पाया गया तो उसका परमिट निरस्त कर दिया जाएगा। दरअसल, परिवहन विभाग की ओर से जयपुर से बाहरी राज्यों में निजी बसें भेजने की दी जा रही अनुमति के बाद ये बस ऑपरेटर मनमानी पर उतर आए हैं और संकट में फंसे मजदूरों की जेब काटने पर

उतारु हो गए हैं और अपने स्तर ही मजूद.रों की सूचियां तैयार कर रहे हैं और आरटी.ओ से परमिशन ले रहे हैं। ये लोग मजदूरों से संपर्क कर साधने में जुटे हैं। वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार ने प्रवासी मजदूरों को उनके गृहराज्य भेजने के लिए रोडवेज बसों की भी व्यवस्था की है। इसके लिए करीब 4 हजार बसें लगाई गई हैं। इनसे जाने वाले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। सरकार मजदूरों से कोई किराया भी नहीं ले रही है, लेकिन जल्दी घर पहुंचने के चक्कर में मजदूर निजी बस ऑपरेटर्स का शिकार बन रहे हैं। हालांकि परिवहन विभाग निजी बसों की रवानगी से पहले मजदूरों से किराये के पूछताछ भी कर रही है, लेकिन वह कारगर सिद्ध नहीं हो रही है। आरटीओ राजेन्द्र वर्मा ने कहा अभी तक 72 निजी बसों को अनुमति दी जा चुकी है। वहीं इस पूरे मसले पर परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का बयान आया कि विभाग मजदूरों के हित में काम कर रहा है। साथ ही अधिकारियों को सख्य निर्देश दिए गए हैं कि मजदूरों का किसी भी स्थिति में शोषण नहीं होना चाहिए।

महिला स्वयं सहायता समूहों ने बनाए 1 करोड़ 90 लाख मास्क

जयपुर । कोरोना वायरस को मात देने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों ने सामूहिक शक्ति उजागर की। देश के क़रीब 90 प्रतिशत ज़िलों में कार्यरत महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं फ़ेस मास्क बनाने, सामुदायिक रसोई संचालित करने, आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई और लोगों को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में जुटी हुई हैं। वहीं, समूहों से जुड़ी महिलाएं पिछले कुछ सप्ताह में एक करोड़ 90 लाख मास्क बना डाले हैं। बताया जा रहा है कि इन समूहों ने कोरोना वायरस जैसी महामारी से निपटने में सरकार का पूरा सहयोग किया है। देशभर में फैले स्वयं सहायता समूह न सिर्फ फ़ेस मास्क की कमी को पूरा करने में सहायक सिद्ध हुए हैं, बल्कि स्वास्थ्यकर्मियों के लिए पीपीई किट बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो महिलाएं स्कूल की यूनिफॉर्म तैयार करती थी अब उन्होंने फ़ेस मास्क बनाना शुरू किया है। इसके अलावा एक लाख लीटर सेनेटाइजर और 50 हज़ार लीटर हैंडवॉश का निर्माण किया है। इन तीनों चीजों का उत्पादन विकेंद्रीकृत तरीक़े से हुआ हैख् इसलिए इन्हें देशभर में पहुंचाने के लिए परिवहन के साधनों और अन्य सुविधाओं की आवश्यकता भी कम से कम रही। साथ ही स्वयं सहायता समूहों ने लॉकडाउन के कारण अपना काम गंवा चुके श्रमिकों और देश के अलग-अलग स्थानों पर फंसे मजदूरों के लिए सामुदायिक रसोई का संचालन भी किया। भारत में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में विश्व बैंक की सहायता का नेतृत्व करने वाली गायत्री आचार्य ने कहा कि भारत सरकार द्वारा गांव की महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से मज़बूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस मुहिम के बहुत अच्छे परिणाम इस कठिन दौर में देखने को मिले हैं। देश में इस समय क़रीब सात लाख स्वयं सहायता समूह हैं, इसमें छह करोड़ 70 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

नम आंखों से शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा को दी गई अंतिम विदाई

जयपुर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकियों से लोहा लेने के दौरान शहीद हुए सेना की 21 राइफल्स के कमांडिंग अफसर कर्नल आशुतोष शर्मा को आज राजकीय सम्मान के साथ जयपुर में अंतिम विदाई दी। शहीद आशुतोष का पार्थिव शरीर आज जयपुर पहुंचा, जहां उन्हें तिरंगे में लपेट कर आखिरी विदाई और सलामी दी गई। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में रविवार को कर्नल आशुतोष के साथ आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन में चार अन्य जवान शहीद हो गए थे। हंदवाडा मुठभेड़ में शहीद हुए कर्नल आशुतोष शर्मा को आज जयपुर में अंतिम विदाई दी गई। इस मौके पर उनकी पत्नी, बेटी और अन्य परिजन मौजूद थे। नम आंखों और राजकीय

सम्मान के साथ कर्नल को अंतिम विदाई दी गई। शहीद आशुतोष को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अंतिम विदाई दी। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम विदाई के दौरान कर्नल की पत्नी लगातार रोती रहीं।

बता दें कि शहीद आशुतोष का बुलंदशहर के रहने वाले हैं, मगर उनका परिवार काफी समय से जयपुर में रहता है। 21 राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर रहे कर्नल आशुतोष अपने आतंक रोधी अभियानों में साहस और वीरता के लिए दो बार वीरता पुरस्कार से नवाजे जा चुके हैं। इतना ही नहीं, शहीद आशुतोष कर्नल रैंक के ऐसे पहले कमांडिंग अफसर थे, जिन्होंने पिछले पांच साल में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में अपनी जान गंवाई हो। इससे पहले साल 2015 के जनवरी में कश्मीर घाटी में आतंकियों से लोहा लेने के दौरान कर्नल एमएन राय शहीद हो गए थे। इसके अलावा, उसी साल नवंबर में कर्नल संतोष महादिक भी आतंकियों के खिलाफ अभियान में शहीद हो गए थे।

सेना के मुताबिक, कर्नल आशुतोष शर्मा काफी लंबे समय से गार्ड रेजिमेंट में रहकर घाटी में तैनात थे और वह आतंकवादियों के खिलाफ बहाद.री के लिए दो बार सेना मेडल से सम्मानित किए जा चुके हैं। आतंकियों को सबक सिखाने के लिए वह जाने जाते थे। शहीद आशुतोष शर्मा को कमांडिंग आ.फिसर के तौर पर अपने कपड़ों में ग्रेनेड छिपाए हुए आतंकी से अपने जवानों की जिंदगी बचाने के लिए वीरता मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। दरअसल, जब एक आतंकी उनके जवानों की ओर अपने कपड़ों में ग्रेनेड लेकर बढ़ रहा था, तब शर्मा ने बहादुरी का परिचय दिया था और आतंकी को काफी नजदीक से गोली मारकर अपने जवानों की जान बचाई थी। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी शामिल थे।

शादी करने चार बजे रात को घर से भागी युवती 15 अप्रैल को होना थी शादी, पुलिस ने टेंट में कराई

भोपाल । लाकडाउन के कारण शादी टलने से परेशान एक युवती ने अपने घर से भागकर शादी कर ली। यह शादी पु?लिस द्वारा लाकडाउन के नयिमों को पूरी तरह से पालन करते हुए संपन्न कराई। इस शादी की खास बात यह थी ?कि पुलिस ही बाराती बनी, पुलिस ही पंडित और पुलिस ने ही हर जिम्मेदारी उठाई। सादगी भरे माहौल में शादी होने के बाद दूल्हा बाइक पर ही बैठाकर अपनी दुल्हन को लेकर रवाना हो गया। जानकारी के अनुसार सादलपुर थाने के सकतली के पूनम (19) पिता रतन बागरी की बेटमा के ओसरूद के कपिल से 15 अप्रैल को शादी होना थी। दोनों की सगाई हो चुकी थी लेकिन लॉकडाउन बढ़ता ही गया। इससे उनकी शादी पर कोरोना का ग्रहण लग गया। रविवार रात को ही सकतली गांव से पूनम बेटमा के लिए निकल गई। अलसुबह करीब 4 बजे वह पैदल ही जब नौगांव थाने के सामने से गुजरी तो चेकिंग पाइंट पर पुलिस ने उसे रोका तो

उसने सारी कहानी बताई। टीआई युवराज सिंह ने युवक की सच्चाई जानने के लिए युवक व युवती के परिजन को फोन कर बुलाया। दो-दो परिजन दोनों तरफ से पहुंचे। पुलिस ने चेकिंग पाइंट के पास लगे टेंट के नीचे शारीरिक दूरी का पालन करते हुए शादी करवाई। इसके बाद दूल्हा बाइक पर ही दूल्हन को लेकर अपने गांव के लिए रवाना हो गया। टीआई ने परिजन को बुलाया और कहा कि मंदिर जाकर दोनों की शादी करवा दीजिए। जिस पर परिजन ने कहा कि सर थाना ही हमारा मंदिर है। आप ही हमारे भगवान। यहीं शादी करवा दो। परिजन ही मालाएं लेकर आ गए। पुलिस की मौजूदगी में युवक व युवती ने एक दूसरे को लकड़ी के सहारे वरमालाएं पहनाई। पूनम रात में ही में घर से भागकर अपने मंगतेर से मिलने और शादी के लिए निकल गई थी। रात में पैदल निकली तो सुबह करीब 4 बजे नौगांव पुलिस ने उसे रोका तो शादी की पूरी कहानी सामने आई। युवती ने बताया कि 15 अप्रैल की शादी तय थी, लेकिन लॉकडाउन से नहीं हो पा रही थी। दुल्हन पूनम का कहना है कि 15 अप्रैल को शादी थी। लेकिन लॉकडाउन से शादी रुक गई थी। हम दोनों ने मर्जी से शादी की। यहां पुलिस ने रोका तो मैंने सारी जानकारी पुलिस को दी। उसके बाद पुलिस ने हमारी शादी करवाई। इस बारे में नौगांव टीआई युवराजसिंह का कहना है कि युवती को हमारी टीम ने चेकिंग पाइंट पर रोका तो पूरी कहानी सामने आई। सुबह दोनों के परिजन को बुलाकर बात की गई तो पता चला कि 15 अप्रैल शादी की तारीख तय थी, लेकिन लॉकडाउन के चलते शादी में परेशानी आ रही थी। हमने मंदिर का कहा थो वे बोले थाने में ही करवा दीजिए। शारीरिक दूरी का पालन कर दोनों की शादी करवाई गई। दूल्हा-दुल्हन को बाइक पर घर लेकर चला गया।

उदयपुर के इन दिव्यांग राशन डीलर्स में है सेवा का अनोखा जज्बा

उदयपुर । उदयपुर में कोरोना महामारी से बचाव को लेकर जारी इस जंग सामाजिक दायित्व को पूरा करते कई दिव्यांग राशन डीलर्स का ने अपना जज्बा दिखाया है। इस घड़ी में ये कोरोना वॉरियर्स अपना दुःख-दर्द भूलाकर जरुरतमंदों की सेवा में लगे हुए हैं। जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचल में ऐसे भी राशन डीलर्स हैं जो दिव्यांग है, लेकिन उनकी सेवा कार्य के प्रति निष्ठा देखकर क्षेत्रवासी उन्हें असली कोरोना कर्मवीर और देवदूत मानते हैं। लसाड़िया के कालीभीत में राशन डीलर भेरूलाल दिव्यांग हैं लेकिन प्रशासन ने जिम्मेदारी दी तो बिना किसी झिझक के घर-घर जाकर राशन उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहला मौका है जब मुसीबत में फंसे लोगों की सेवा का अवसर मिला है। इसी प्रकार जिले के सुदूरवर्ती कोटड़ा के थेप व सांडमारिया क्षेत्र के राशन डीलर हिम्मतराम खैर भी दोनों पैरों से दिव्यांग हैं, लेकिन इसके बावजूद वे पूरी शिद्दत से अपने कार्य को पूरा कर रहे हैं। हिम्मतराम ने बताया कि वे दोनों क्षेत्रों के पात्र लोगों को बारी-बारी से राशन सामग्री का वितरण कर रहे हैं। वहीं स्थानीय लोग भी सोशल डिस्टेंसिंग के माध्यम से उनका सहयोग कर रहे हैं। वल्लभनगर क्षेत्र के मावली डांगियान के दिव्यांग राशन डीलर भगवानलाल डांगी भी अपनी लाठी के सहारे घर-घर पहुंचकर आपदा की इस स्थिति में ग्रामीणों के मसीहा बने हुए हैं। डांगी ने कहा कि संकट की इस घड़ी में पुण्य कार्य करने का अवसर मिला है तो वे अपना दर्द भूल चुके हैं।

गरीब जनता की जिंदगी में नया प्रकाश है संबल : मुख्यमंत्री श्री चौहान संबल योजना पुनः प्रारंभ

मुख्यमंत्री द्वारा 41.33 करोड़ रूपये हितग्राहियों के खातों में अंतरित

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गरीबों की जिंदगी में संबल देने वाली योजना संबल को आज पुनः प्रारंभ किया। उन्होंने संबल योजना के हितग्राहियों के खातों में 41.33 करोड़ की राशि एक क्लिक पर ट्रांसफर की। मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से चर्चा करते हुए कहा कि पुरानी सरकार ने संबल योजना बंद कर दी थी इसलिये संबल योजना पुनः प्रारंभ कर रहे हैं। योजना के कार्ड रद्द कर दिये थे, अब यह कार्ड फिर काम आयेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जब मैं पहले मुख्यमंत्री था, तब मैंने संबल योजना प्रारंभ की थी। संबल केवल योजना नहीं है, गरीबों का सहारा है, बच्चों का भविष्य है, बुजुर्गों का विश्वास है और माँ, बहन-बेटियों का सशक्तिकरण है। संसाधन कब्जे में होने के कारण कुछ लोग अमीर हो गये परन्तु बड़ी आबादी निर्धन रह गयी। संबल योजना के माध्यम से हम उसी आबादी को न्याय दे रहे हैं जो धनी हैं उनसे हम टैक्स लेते हैं और जो गरीब हैं उनको सुविधाएँ देते हैं, यही सामाजिक न्याय है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा आज 05 मई 2020 को सामान्य मृत्यु के 1698 हितग्राहियों को 33.16 करोड़, दुर्घटना में मृत्यु के 204 हितग्राहियों को 8.16 करोड़ एवं आंशिक स्थायी अपंगता के 1 हितग्राही को 1 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता दी गयी। श्री चौहान द्वारा हितग्राहियों के खाते में 41 करोड़ 33 लाख की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे उनके खातों में अंतरित की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबल योजना के तहत हितग्राहियों के परिजनों की मृत्यु होने पर 2 लाख अनुग्रह राशि प्राप्त करने वालों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की। जिसमें होशंगाबाद के श्री दीपक नामदेव, रतलाम के श्रीमती लीला बाई पंचाल, रायसेन के निर्मल कुमार जैन, छतरपुर की श्रीमती पार्वती साहू, विदिशा की श्रीमती मीना बाई, धार के आनन्द शांति लाल कौशल, टीकमगढ़ की श्रीमती सिम्मा बाई, खरगोन की श्रीमती माया बाई, टीकमगढ़ के मैथली सेन, बड़वानी के गंगाराम से चर्चा कर उन्हें अवगत कराया कि 2-2 लाख रुपए की राशि उनके खाते में जमा करा दी गई है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संबल योजना अप्रैल 2018 में प्रारंभ की गई थी। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2018-19 में 703 करोड़ रूपए की राशि व्यय की गई थी। हमने 20 अप्रैल 2020 को इस योजना को पुनर्जीवित कर मात्र 15 दिन में ही हितग्राहियों के खाते में 41 करोड़ रूपए जमा कर योजना को पुनर्जीवित किया है।

– जिंदगी के पहले जिंदगी के बाद 'संबल योजना'

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन्म से मृत्यु तक साथ निभाने वाली इस अभिनव योजना का उद्देश्य गरीब एवं अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इसके तहत गर्भवती को प्रसव के पूर्व 4 हजार रुपए और प्रसव के पश्चात 12 हजार रुपए हितग्राही को दिए जाएंगे। पोषण आहार दिया जाएगा एवं बच्चों की शिक्षा निःशुल्क होगी, आठवीं तक निःशुल्क किताबें, यूनीफार्म, मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत हितग्राहियों को मुख्य रूप से सामान्य और असामयिक मृत्यु पर 2 लाख रूपये, दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख रूपये, स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता में एक लाख रूपये की सहायता देने का प्रावधान है। हितग्राही की मृत्यु होने पर उसके परिजन को 5 हजार रूपये अंत्येष्टि सहायता और लघु व्यवसाय के उन्नयन में मदद दिलाना था। इस योजना को और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान करने के लिए इसके प्रावधानों पर पुनर्विचार किया जा रहा है।

– 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए सुपर फाइव थाउजेंड

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संबल योजना के तहत हितग्राही सदस्यों के ऐसे 5 हजार बच्चें जो 12वीं में सर्वाधिक अंक लाएंगे उन्हें 30-30 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाएंगे। कक्षा 12वीं के बाद उच्च संस्थानों आई.आई.टी., आईआईएम, इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश होने पर उनकी फीस की व्यवस्था भी सरकार करेगी।

– खेल कूद में अव्वल छात्रों को प्रोत्साहन राशि

राज्य सरकार द्वारा संबल योजना के हितग्राहियों को खेल-कूद में प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना में पंजीकृत परिवार के ऐसे सदस्य जो अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीन राष्ट्रीय खेल कूद प्रतियोगिता में भाग लेते है तो उन्हें 50 हजार की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इस अवसर पर गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, सहकारिता, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल, आदिम जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह और मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस उपस्थित थे।

दहेज कि मांग पूरी न होने पर पति ने पत्नि को केरोसिन डालकर आग लगाई, हालत नाजूक फरार पति के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

भोपाल(ईएमएस)। राजधानी के बैरसिया थाना इलाके में दहेज की मांग पूरी ना होने पर पति द्वारा पत्नी पर केरोसिन डालकर जिंदा जलाने का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। हादसे में महिला की हालत नाजुक बनी हुई है, जिसका इलाज जारी है। वहीं पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 35 वर्षीय नीतू विश्वकर्मा पति विनोद विश्वकर्मा ग्राम बसई में रहती है। बीती 2 मई को वह अपने जेठ के घर गई थी, जहां से वह वापस अपने घर लौटी तो उसका पति दहेज की मांग को लेकर विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर आरोपी पति ने पत्नी के साथ जमकर मारपीट करना शुरू कर दी। जब विवाहिता ने इसका विरोध किया तो गुस्साये आरोपी ने पास में रखी केरोसिन की कैन उठाकर पत्नि पर तेल डालते हुए उसे आग लगा दी। आग की चपेट में आई नीतू की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने जैसे-तैसे विवाहिता को आग की चपेट से बचाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस को महिला ने अपने बयानों में पति द्वारा दहेज की मांग को लेकर तेल डालकर आग लगाने की बात बताई है। थाना पुलिस ने पीड़िता नीतू विश्वकर्मा के ब्यानो के आधार पर उसके पति विनोद विश्वकर्मा के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है, कि वारदात के बाद से ही आरोपी पति फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार शुरुआती जांच के दौरान महिला के परिजनों ने भी अपने ब्यानो में दहेज की मांग को लेकर उनकी बेटी के साथ पति द्वज्ञारा मारपीट किये जाने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है, कि शादी के थोड़े समय बाद से ही आरोपी पति विनोद विश्वकर्मा दहेज की मांग को लेकर उनकी बेटी नीतू के साथ मारपीट करने लगा था।

लिवइन पार्टनर से विवाद के बाद विवाहिता ने ट्रैन से कटकर दी जान

भोपाल। राजधानी के छोला मंदिर इलाके में लिव इन पार्टनर से हुए विवाद के बाद महिला द्वारा ट्रेन से कटकर आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है। बताया गया है, कि मृतका पहले से विवाहित थी, जो पति को छोड़कर बीते 2 माह से अन्य युवक के साथ रह रही थी। थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने बीती शाम भानपुर रेलवे ट्रैक से एक महिला की खून से लथपथ लाश बरामद की थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजते हुए छानबीन शुरू की। शुरुआती जांच में शव की पहचान 25 वर्षीय अन्नू प्रजापति पिता पारसनाथ प्रजापति निवासी बरखेड़ी जहांगिराबाद के रूप में हुई थी। पुलिस के मुताबिक मृतका ग्रहणी थी, और उसकी शादी हो चुकी थी, लेकिन बीते 2 महीने से वह अपने पति से अलग राज नाम के एक युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। बताया गया है, की बीते दिनों राज और अन्नू के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद उसका लिव-इन पार्टनर राज उसे हमेशा के लिए छोड़ने का कहकर चला गया था, जो फिलहाल वापस नहीं लौटा। इसी बात को लेकर विवाहिता मानसिक तनाव में रहने लगी थी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मृतका का पिपलिया पैदैं खॉ मे रहने वाले एक अन्य युवक से भी करीबी पहचान थी। और उससे मेलजोल के कारण ही लिवइन पार्टनर राज और मृतक महिला के बीच विवाद होता था। इन्हीं बातों से मानसिक तनाव में आई अन्नू बीती दोपहर घर से बाहर गई थी, जिसने भानपुर क्षेत्र में ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतिका के पास से मिले मोबाइल फोन के आधार पर उसकी पहचान जुटाई थी। थाना पुलिस मामले में आगे की छानबीन कर रही है, और जांच के आधार पर लिव-इन पार्टनर राज के खिलाफ मामला दर्ज कर सकती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्मियों में भी इस प्रकार खिली–खिली रहेगी त्वचा

गर्मियों में भी इस प्रकार खिली–खिली रहेगी त्वचा

गर्मियों का मौसम आ गया है। ये मौसम अपने साथ स्किन (त्वचा) की कई समस्याओं को साथ लेकर आता है। गर्मियों की चिलचिलाती धूप और गर्म हवाएं स्किन को बहुत नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में त्वचा को खास ख्याल की जरूरत होती है। हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो कर के आप गर्मियों के मौसम में भी चमकदार और फ्रेश स्किन पा सकते हैं.

गर्मियों में ऐसे रखें त्वचा का ख्याल

विटामिन–सी से भरपूर चीजों का सेवन करें– स्किन के लिए विटामिन–सी बहुत फायदेमंद होता है. संतरा, नींबू, आंवला, अंगूर, टमाटर आदि चीजों में विटामिन–सी भरपूर मात्रा में होता है। गर्मियों में इन चीजों का सेवन करने से सेहत के साथ स्किन भी हेल्दी रहती है।

स्किन को हाइड्रेटेड रखें– गर्मियों के मौसम में स्किन को मॉइस्चर के साथ हाइड्रेशन की जरूरत भी पड़ती है। गर्मियों में हफ्ते में करीब 2 बार हाइड्रेटिंग फेस मास्क का इस्तेमाल जरूर करें। ये मास्क स्किन को हाइड्रेट करने के साथ स्किन की मरम्मत भी करते हैं. साथ ही इनसे मुंहासों से भी राहत मिलती है।

सनस्क्रीन लगाएं– गर्मियों में स्किन को सबसे ज्यादा जरूरत सनस्क्रीन की होती है. गर्मियों की चिलचिलाती धूप से स्किन को सुरक्षित रखने के लिए बाहर जाने से पहले हाथ, गर्दन, पैर और खासकर चेहरे पर सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

4 मेकअप कम करें– गर्मियों में मेकअप का इस्तेमाल कम से कम करें। हवा में नमी और गर्माहट से स्किन की सांस लेने की क्षमता धीमी हो जाती है. इसलिए चेहरे पर कम से कम मेकअप लगाएं, ताकि स्किन सांस ले सके। साथ ही हैवी फाउंडेशन और क्रीम को भी चेहरे पर लगाने से बचें। ऑर्गेनिक और लाइट कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें।

5 टोनर इस्तेमाल करें– स्किन को हेल्दी रखने के लिए टोनर भी जरूरी होता है। टोनर के इस्तेमाल से ऑयली स्किन से राहत मिलती है, जिससे स्किन की कई समस्याएं कम हो जाती हैं. गर्मियों में खीरे या एलोवेरा बेस्ड टोनर सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है।

6 पानी ज्यादा पिएं– स्किन को हेल्दी बनाए रखने में पानी की अहम भूमिका होती है। भरपूर मात्रा में पानी पीने से त्वचा में चमक आने के साथ नरम भी बनती है। इसलिए दिनभर में कम स कम 2 से 3 लीटर पानी जरूर पिएं।

गर्मियों में इनसे रहें दूर

अगर आप भी गर्मियों में खूबसूरत और फिट बनी रहना चाहती हैं तो इन प्रकार के खाने से दूर रहें।

तापमान के बढ़ने से सेहत और स्किन (त्वचा) संबंधित समस्याएं सताने लगती हैं। ऐसे में अपनी डाइट का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि डाइट सेहत को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। गर्मियों में सेहतमंद रहने के लिए जितना जरूरी भरपूर मात्रा में पानी पीना होता है, उतना ही जरूरी खाने–पीने की चीजों का ध्यान रखना भी होता है। मौसम के हिसाब से ही अपना डाइट प्लान बनाना चाहिए। हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें गर्मियों में खाने से बचना चाहिए।

गर्मियों में इन चीजों के सेवन से रहें दूर–

1 ज्यादा मसालेदार चीजें न खाएं– मसाले खाने का स्वाद तो बढ़ाते हैं, लेकिन ये सेहत को गंभीर रूप से नुकसान भी पहुंचाते हैं। ज्यादा मसाले खाने से जलन, पेट की समस्या आदि होने लगती हैं। साथ ही शरीर का तापमान भी बढ़ता है।

2 मांसाहारी चीजों का कम सेवन करें– गर्मियों में जितना हो सके मांसाहारी चीजों का सेवन करने से बचें। गर्म मौसम में मसालेदार ग्रेवी वाली चीजों का सेवन करने से शरीर का तापमान भी बढ़ता है, जिससे ज्यादा पसीना आता है। साथ ही पाचन भी खराब होता है।

3 जंक फूड– गर्मियों में जंक फूड खाने के बजाए हरी सब्जियों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें। हरी सब्जियों से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं, जो कई बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं.

4 चाय और कॉफी– हम में से अधिकतर लोगों के दिन की शुरुआत चाय की प्याली के साथ होती है लेकिन चाय और कॉफी दोनों ही शरीर के तापमान को बढ़ाती हैं। इनमें मौजूद कैफिन शरीर को डिहाइड्रेट करती है। इसलिए गर्मियां शुरू होते ही चाय और कॉफी से दूरी बना लें।

5 चीज सॉस– चीज यूं तो ज्यादातर लोगों को पसंद हा`ती है, लेकिन गर्मियों में चीज का कम से कम सेवन करना चाहिए। दरअसल, चीज सॉस में कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है। वहीं, इस मौसम में शरीर को ज्यादा न्यूट्रिशन की जरूरत होती है। इसलिए डाइट में हेल्दी चीजें ही शामिल करें।

तेज धूप में निकलेंगी तो बाल हो जाएंगे सफेद

अगर आप सोचती हैं कि तेज धूप सिर्फ त्वचा को ही नुकसान पहुंचाती है, तो आप गलत हैं। यह बालों को भी उतना ही नुकसान करती है। अगर आप रोजाना ही तेज धूप में बाहर निकलती हैं, तो बाल जल्दी सफेद होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

मेलानिन कम होता जाता है

हमारे शरीर में मेलानिन नाम का तत्व होता है, जो बालों को शाइनिंग देने के साथ सेहतमंद रखता है। धूप में ज्यादा देर रहने से मेलानिन काफी तादाद में खत्म हो जाता है, जिससे बाल सफेद होने शुरू हो जाते हैं। शरीर में बनने वाले मेलानिन तत्व के कारण बाल काले रहते हैं, लेकिन धूप में ज्यादा देर रहने पर ये तत्व स्काल्प से नष्ट होने लगते हैं। इससे बालों का रंग जड़ों के पास से बदलने लगता है और वो धीरे–धीरे सफेद होने लगते हैं।

पसीना भी है कारण

गर्मी की तेज धूप के कारण शरीर के अन्य हिस्सों की तरह स्काल्प से भी पसीना आता है। आप बाहर से घर आने पर सिर नहीं धोते, तो वो पसीना बालों की जड़ों में सूखता रहता है। पसीने में सोडियम, जिंक, मैग्नीशियम और अमोनिया होता है जो बालों को जड़ों से डैमेज कर देता है, जिससे बाल हेल्दी नहीं रह पाते और सफेद होने लगते हैं। इसलिए गरमी में बालों को सेहतमंद रखने के लिए रोजाना धोना जरूरी है।

धूप में निकलते समय छतरी या दुपट्टे से बालों को कवर कर लें। इससे सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणें सीधे स्काल्प तक नहीं पहुंचेगी। बाहर से घर आने पर आप हर बाल सिर नहीं धो सकते लेकिन पसीने को साफ जरूर कर सकते हैं। ऐसे में जब भी सिर पर पसीना आए स्काल्प को अच्छी तरह पोंछकर सूखा लें। बालों को हेल्दी रखने के लिए दिनभर में कम से कम 8–9 गिलास पानी जरूर पीएं, ताकि त्वचा के साथ स्पैल्प पर भी नमी बनी रहे। रोजाना नहीं, तो हफ्ते में 2–3 बार शैंपू करना जरूरी है। इसके साथ ही बालों को कंडीशनर लगाना ना भूलें।

रोजाना तेल लगाने से बचें

हफ्ते में 2 बार तेल लगाएं। 2–4 घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बालों को माइल्ड शैंपू से धोएं।

यह है डैंड्रफ और गंदगी की वजह

स्काल्प पर पसीना होने के कारण धूल, मिट्टी और प्रदूषण के कण भी बालों की जड़ों में जमा हो जाते हैं, जिससे डैंड्रफ और ड्राई स्काल्प की समस्या हो जाती है। ये समस्य या तो बाल गिरने की वजह बनती हैं या सफेद होने की।

आहार

आपने आहार में विटमिन ई से भरपूर चीजों को शामिल करें, ताकि आपके बाल जड़ से सेहतमंद रहें

घर पर बनायें ब्लीच

अगर आप भी बाजार में उपलब्ध ब्लीच का इस्तेमाल करती हैं तो ध्यान रखें यह नुकसान भी कर सकता है। इसलिए घर पर बने उत्पादों का इस्तेमाल अधिक करना चाहिए। चेहरे की खूबसूरती के लिए ब्लीच एक आसान उपाय है। घर पर बने ब्लीच आपके चेहरे कि लिए अधिक फायदेमंद हैं। सबसे बड़ा फायदा यह है कि घर पर बने ब्लीच में केमिकल न होने से आपके चेहरे को कोई नुकसान नहीं होता है।

संतरे के छिलके

संतरे के छिलकों में पाए जाने वाले साइट्रिक एसिड के कारण इसमें नेचुरल ब्लीच के गुण होते हैं। संतरों के छिलकों को धूप सुखाकर पाउडर बनाएं। इसके बाद पाउडर में एक चम्मच दुध, शहद, संतरे का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

टमाटर का गूदा

टमाटर का गूदा निकालें और एक चम्मच नींबू के रस और गुलाब जल में मिलाएं। इसके बाद चेहर पर लगाकर सूखने तक रुकें। इसके सूखने के बाद चेहरा धो लें।

खीरे और नींबू का रस

खीरे और नींबू से आप घर में ब्लीच तैयार कर सकते हैं। एक चम्मच खीरे के रस और एक चम्मच नींबू के रस को मिलाएं। इसके बाद चेहरे पर लगाएं।

आलू के रस

आलू के रस को आप नेचुरल ब्लीच के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हो। आलू के रस को चेहरे पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

पपीता

पपीते से बना ब्लीच चेहरे के लिए बहत अच्छा होता है। आप एक चौथाई कप पके पपीते के गुदे को निकालकर इसमें एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर चेहरा धो लें।

दही

दही आपकी स्किन के लिए नेचुरल ब्लीच का काम करता है। दही के ब्लीच के लिए कुछ करना नहीं पड़ता है। इसके लिए आप चेहरे पर दही लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दे और इसके बाद पानी से धो लें।

डेनिम वियर से नजर आयेंगी स्टायलिश

गरमी के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट– डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती – गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट– इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट– धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार ने 1.29 करोड़ बच्चों के खाते में जमा कराए 378 करोड़ रुपये

पटना । बिहार सरकार ने दोपहर भोजन योजना के तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 1.29 करोड़ बच्चों के खाते में 378.70 करोड़ रुपये जमा कराए हैं। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने दी। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद हैं इसलिए सरकार ने निर्णय किया कि बच्चों के खाते में सीधा लाभ अंतरण (डीबीटी) कार्यक्रम के तहत पैसे जमा करा दे क्योंकि इस समय उन्हें बना बनाया भोजन देना विकल्प नहीं है। इसके तहत अनाज, दूध, फल और अंडे की कीमत को ध्यान में रखते हुए पूरी राशि अंतरित की गई। साथ ही उन्हें 14 मार्च से तीन मई के बीच 34 दिनों के लिए ईंधन का खर्च, तेल, नमक और मसाले का खर्च भी दिया गया है।

समस्तीपुर में सामने आया कोरोना का पहला केस

समस्तीपुर । समस्तीपुर में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आय है। जिससे जिले में हड़कंप मच गया है। कोरोना के पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद जिला प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मरीज के बारे में बताया जा रहा है कि 25 वर्षीय मरीज 26 अप्रैल को ट्रक से दिल्ली से अपने गांव लौटा था। हालांकि इसके आने की सूचना जैसे ही प्रशासन को लगी वैसे ही उसे तुरंत स्वास्थ्य परीक्षण कर क्वारंटाइन में दलसिंहसराय के एएनएम हॉस्टल में रखा गया था। इसके बाद उसके सैंपल को जांच के लिए डीएमसीएच भेजा गया था। हालांकि पहली बार में रिपोर्ट क्लियर नहीं मिली थी। मगर, जब दोबारा उसके सैंपल को जांच के लिए भेजा गया था, जहां उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव पायी गई। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीज पीड़ित मरीज को क्वारंटाइन सेंटर से समस्तीपुर के होटल ट्री में बनाए गए आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट किया। साथ ही उनके परिजन को भी जिला उद्योग केंद्र में बने क्वारंटाइन में लाया गया है। वहीं गांव के 3 किलोमीटर के क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है और पूरे क्षेत्र को सील कर सैनिटाइज्ड किया जा रहा है।

रायपुर में फँसे झारखंड के श्रमिकों, यात्रियों और नागरिकों की वापसी दूसरे दिन भी जारी, साढे चार सौ श्रमिकों को अभी तक भेजा गया झारखंड

रायपुर,। नोबल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लॉकडाउन घोषित किया गया है। इस अनुक्रम में झारखंड राज्य के रायपुर जिला में फंसे श्रमिकों, यात्रियों और नागरिकों को उनके गृह राज्य ले जाने के लिए अभी साढे चार सौ श्रमिकों,यात्रियों और नागरिकों को बस से झारखंड के विभिन्न जिलो के लिए रवाना किया गया।

आज झारखंड के 8 जिलों सराईकेला, बोकारो, खुटी,हजारीबाग,धानबाद,रामगढ़ , सराईकेला , लातेहार और गिरीडीह के लिए 18 बसों पर श्रमिकों को भेज गया। इसके अलावा रांची के नागरिकों को भी इन बसों में भेजा गया है ।

आज सुबह से राधस्वामी सत्संग व्यास,ऑफिसर्स कॉलोनी के पास ,कृषि महाविद्यालय के बाजू,धरमपुरा रायपुर में झारखंड के रायपुर जिले में फंसे पंजीकृत श्रमिकों और नागरिकों के पंजीयन और भेजने का कार्य जारी रहा। जैसे जैसे झारखंड के विभिन्न जिलों से बसे आते जा रही है, उन जिलों के श्रमिकों और नागरिकों को भेजने का क्रम जारी है। अभी तक करीब 13 सौ श्रमिकों ने अपना पंजीयन कराया है।

कलेक्टर रायपुर डॉ. एस भारती दासन ने आज भी इस परिसर आकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और श्रमिकों और नागरिकों के लिए यहां जिला प्रशासन द्वारा उनके रजिस्ट्रेशन करने, भोजन, स्वल्पाहार पानी, छाया, लाइट ,पंखे, शौचालय , आराम करने आदि की व्यवस्था का अवलोकन किया।

झारखंड के विभिन्न जिलों से छतीसगढ के विभिन्न जिलों में पहुंच रहीं हैं बसें

छत्तीसगढ़ राज्य के संयुक्त सचिव ट्रांसपोर्ट ने बताया कि झारखंड के विभिन्न जिलों से छतीसगढ के विभिन्न जिलों में बसें पहुंच रहीं हैं। झारखंड के श्रमिक और नागरिक वर्तमान में जिस जिले में है ,वहां के जिला प्रशासन से सम्पर्क कर रजिस्ट्रेशन का कार्य करवा सकते है ।

श्रमिकों के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी

छत्तीसगढ शासन के श्रम विभाग ने श्रमिको की सहायता के लिए सात हेल्पलाइन नम्बर जारी किया है। ये नम्बर है– 0771–2443809, 91098–49992, 75878–21800, 75878–22800, 96858–50444, 91092–83986 और 88277–73986 है।

इसी तरह सीमित अवधि के लिए सुबह 9 बजे से शाम के 7 बजे तक उत्तर प्रदेश के लिए 75878–21800 और 96858–50444 दिल्ली और हरियाणा के लिए 74772–13986, बिहार के लिए 88199–53807 तथा पश्चिम बंगाल एवं उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए 83494–68006 से संपर्क किया जा सकता है।

कोरोना वायरस कोविड .19 से बचाव और सुरक्षा के लिए सम्पूर्ण रायपुर जिले के लिए 17 मई या आगामी आदेश तक धारा 144 प्रभावशील

रायपुर,। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रायपुर डॉ. एस. भारतीदासन ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव और सुरक्षा हेतु सम्पूर्ण जिला रायपुर में दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत प्रभावशील धारा 144 को लाक डाउन की अवधि 17 मई या आगामी आदेश तक के लिये लागू करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने इस सम्बन्ध में समय . समय पर जारी उनके कार्यालय द्वारा अन्य आदेशो के तहत प्रतिबन्धों को भी लागू रखने के आदेश दिए है ।

कलेक्टर एव जिला दण्डाधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि कि कोरोना वायरस से भारत सहित पूरे विश्व के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है और इससे पीड़ित संदेही से दूर रहने की सख्त हिदायत है। इसी प्रकार इसके प्रसार को रोकने के लिए कड़े सामाजिक अलगाव और शारीरिक दूरी के उपयोग को अपनाना उचित एवं आवश्यक हो गया है। इन आदेशों का किसी भी व्यक्ति, संस्था संगठन द्वारा उल्लंघन नहीं किया जाएगा। किसी व्यक्ति संस्था, संगठन द्वारा कोरोना वायरस के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु जारी किसी भी निर्देश का उल्लंघन किया जाता है तो वह भारतीय दंड संहिता 1860 कि धारा 188 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी के अंतर्गत आता है ।

बिहार में हुई भारी बारिश,फसलों को हुआ नुकसान

पटना । बिहार की राजधानी पटना में अचानक भारी बारिश हुई है। जिससे फसलों को काफी नुकसान हुआ है। हालांकि पटना के अलावा समस्तीपुर, बेतिया, नालंदा, मोतिहारी, सिवान, भोजपुर, गोपालगंज समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का प्रकोप लोगों को झेलना पड़ा है। मौसम के बिगड़े मिजाज से आम और गेहूं की फसल को

भी नुकसान पहुंचा है। जिन किसानों ने गेंहू की कटनी करा फसल खलिहान में रखी थी उनमें से कई ने प्लास्टिक शीट के जरिए अपनी मेहनत को बचाने की कोशिश की है। लेकिन वो खेतों में खड़ी फसल पर बारिश का असर पड़ने से नहीं रोक पाए। मौसम विभाग ने थोड़ी देर पहले खगड़िया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, मुंगेर, भागलपुर, बांका, जमुई, शेखपुरा, अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज जिले में अगले 2–3 घंटे के दौरान हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश, वज्रपात और तेज हवा की नई चेतावनी भी जारी की है। बता दें कि पटना समेत राज्य के कई जिलों में बारिश को लेकर मौसम विभाग ने पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में जानकारी दी थी कि बिहार में मौसम करवट ले सकता है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक काल बैसाखी के प्रभाव के चलते बारिश हुई है। ये सिलसिला बिहार के पश्चिमी इलाके से शुरू होकर यह हर जिले में प्रभावी होगा।

भारतीय मूल की वकील सरिता को ट्रंप ने जिला जज के रूप में नामित किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। कोरोना वैश्विक महामारी के बीच भारत के लिए दूसरी अच्छी खबर आई है। अमेरिका में एक बार फिर भारतवंशी महिला ने भारत का गौरव बढ़ाया है। यहां भारतीय मूल की वकील सरिता कोमातिरेड्डी को न्यूयॉर्क की संघीय अदालत में न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क में एक संघीय अदालत में कोमातिरेड्डी को जिला जज के रूप में नामित किया। इस वर्ष 12 फरवरी को ट्रंप ने न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए संयुक्त राज्य के जिला न्यायाधीश के रूप में काम करने के लिए कोमातिरेड्डी को नामित करने की घोषणा की थी। व्हाइट हाउस ने बताया कि सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके नामांकन की प्रक्रिया को आगे बढ़कर अमेरिकी सीनेट को भेज दिया है। कोमातिरेड्डी ने अमेरिका के कोलंबिया लॉ स्कूल में कानून पढ़ाती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर भारतीय मूल के किसी महिला की यह नियुक्ति काफी अहम मानी जा रही है। बता दें कि अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा है।इसकारण ट्रंप ने यह कदम उठाकर भारतीय मूल के लोगों को रिझाने का एक और प्रयास किया है। कोरोना के बीच जैसे–जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय निकट आ रहा है, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों ने अपने तरीके से चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। इसके पूर्व सरिता कोमातिरेड्डी उसी जिले के पूर्व न्यायाधीश ब्रेट कवनुघ के अधीन काम कर चुकी है। मौजूदा समय में वह न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के अटॉर्नी कार्यालय में सामान्य अपराध की उप प्रमुख हैं।

पुल के बैरियर में सिर टकराने से हुआ हादसा

ट्रक में छिपकर बनारस से झारखंड जा रहे दो मजदूरों की मौत

भोजपुर। बिहार के भोजपुर जिले में मंगलवार को लॉकडाउन के दौरान घर जा रहे दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक लॉकडाउन की वजह से करीब डेढ़ दर्जन मजदूर बनारस से गेहूं लदे ट्रक पर सवार होकर आरा के रास्ते पटना की ओर जा

रहे थे। तभी कोईलवर पुल पर लगे बैरियर में चार मजदूर टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दो मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दो और मजदूर बुरी तरह जख्मी हो गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जख्मी दोनों मजदूरों को तत्काल इलाज के लिए पीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया साथ ही मृत दोनों मजदूर के शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया। दोनों मृतक मजदूर झारखंड राज्य के गोड्डा जिले के केवरन टोला गांव के निवासी सुनील कुमार और बुद्धनाथ कुमार बताए जा रहे हैं।घटना के वक्त मौजूद प्रत्यक्षदर्शी और मृत मजदूर के साथी ने बताया कि करीब 15 लोगों का समूह लॉकडाउन में ट्रक पर सवार होकर बनारस से अपने गांव झारखंड के गोड्डा जिला जा रहा था तभी पुल के समीप लगे बैरियर में चार मजदूरों के सिर टकरा गए जिनमें दो लोगों की मौत हो गई है। फिलहाल कोईलवर थानाध्यक्ष घटना की छानबीन में जुट गए हैं। बहरहाल सवाल ये उठता है कि आखिर जब लॉकडाउन में प्रावसी मजदूरों के आवागमन को सरकार ने रोक रखा है तो ये दर्जनों की संख्या में मजदूर चोरी छिपे कैसे झारखंड जा रहे थे।

अहिवारा विधानसभा पूर्ण रूप से हुआ सेनेटाईज – मंत्री गुरू रूद्रकुमार

रायपुर,। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री और अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरू रूद्रकुमार ने अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों में सोडियम हाईड्रोक्लोराइड लिक्विड व ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करवा कर पूर्ण रूप से सेनेटाइज किया है। उन्होंने बताया कि अहिवारा विधानसभा क्षेत्र को पूर्ण रूप से सेनेटाइज किया गया है। इसी कड़ी में मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने भी ग्राम नंदकट्ठी में सेनेटाइजेशन कार्य में अपनी सहभागिता दी है। इसके अतिरिक्त अहिवारा के ग्राम

भेड़सर अंजोरा दांडेसरा, चिखली, करंजा भिलाई, मुरमुन्दा ढाबा कन्डरका और रवेलीडीह सहित सभी 72 गांवों को सेनेटाइज करने का कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी गांव को सेनेटाइज करने का कार्य कम खर्चीला है। इस कार्य को संपादित करने के लिए राज्य शासन के डीएमएफ जैसे मद से की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि मंत्री गुरु रूद्रकुमार की पहल पर अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में कोरोना फाइटर्स टीम गठित है जिनके द्वारा विधानसभा क्षेत्र के सभी ग्रामों में सोडियम हाइड्रोक्लोराइड और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर सेनेटाइज करने का कार्य किया गया है। लॉकडाउन के दौरान इस कोरोना फाइटर्स टीम में जयंत देशमुख, अमनदीप सिंह, भुवनेश्वर यादव, प्रशांत गौतम और धर्मेश देशमुख जैसे युवाओं की प्रमुख भूमिका रही है। इनके द्वारा समय.समय पर ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण काल में राज्य शासन द्वारा जारी दिशा.निर्देशों और फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए जागरूक किया जाता रहा है। सेनेटाइज किए जाने के दौरान मंत्री गुरू रूद्रकुमार द्वारा ग्रामीणों को सेनेटाइजर साबुन और मास्क का भी वितरण किया गया है साथ ही जरूरतमंदों को जन प्रतिनिधियों स्वयंसेवी संगठनों और दानदाताओं द्वारा सूखा राशन और आवश्यक सामग्री भी वितरित की गई है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्र कुमार ने कोरोना फाइटर्स टीम की सराहना करते हुए कहा है कि अहिवारा क्षेत्र के लोगों ने लॉकडाउन के दौरान जिस धैर्य संयम और अनुशासन का परिचय दिया है वह कोरोना पर जीत का मार्ग प्रशस्त करेगा।

स्वरोजगार स्थापना के इच्छुकों से मंगाए गए आवेदन

धमतरी। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2020.21 के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र में स्वरोजगार स्थापना के इच्छुकों से आवेदन लिए जा रहे हैं। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से मिली जानकारी के मुताबिक कलेक्टोरेट स्थित प्रथम तल के कक्ष क्रमांक.66 में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन जमा किया जा सकता है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए दूरभाष कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07722.232966 पर सम्पर्क किया जा सकता है। इसी तरह नगरी और धमतरी विकासखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र के हितग्राही सहायक प्रबंधक श्री एस.के.पाण्डेय के मोबाईल नंबर 78986.09895 पर सम्पर्क कर सकते हैं। कुरूद विकासखण्ड के हितग्राही सहायक प्रबंधक श्री डी.पी साहू मोबाईल नंबर 84355.58175, मगरलोड के हितग्राही सहायक प्रबंधक पारसमणी वर्मा मोबाईल नंबर 91652.25192 और धमतरी शहरी क्षेत्र के हितग्राही सहायक प्रबंधक कुमारी रत्ना सहारे के मोबाईल नंबर 81203.55887 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

गौरतलब है कि इस योजना के तहत आवेदक के स्वयं के व्यवसाय के लिए ऋण की अधिकतम सीमा दो लाख है। इसी तरह सेवा के लिए ऋण की अधिकतम सीमा 10 लाख रूपए एवं उद्योग के ऋण की अधिकतम सीमा 25 लाख रूपए है। इसमें 10 से 25 प्रतिशत अधिकतम मार्जिन मनी डेढ़ लाख रूपए तक की पात्रता अनुसार छूट प्रदान की जाएगी। योजना के तहत छत्तीसगढ़ के मूल निवासी 18 से 35 वर्ष तक की आयु वर्ग के आठवीं पास हितग्राही आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रूपए नहीं होने संबंधी शपथ पत्र दो नए रंगीन फोटो तथा आधार कार्ड, राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र मतदाता पहचान पत्र अथवा ड्राइविंग लाइसेंस जमा करना होगा। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी निःशक्तजन भूतपूर्व सैनिक अल्पसंख्यक जाति संबंधी प्रमाण पत्र आवेदन के साथ लगाना होगा।

महिलाओं ने मास्क तैयार कर बढ़ाई अपनी आमदनी

सुकमा,। जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम में सुकमा जिले के स्वसहायता समूह की महिलाएं भी बढ़.चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। कोरोना वायरस के रोकथाम में मास्क की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके निर्माण में स्व.सहायता समूह की महिलाओं द्वारा रुचि दिखाई गई और इस आपदा के दौरान अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए अपनी आजीविका के बेहतरी के लिए भी कार्य किया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के महिला स्व.सहायता समूहों द्वारा रियायती दर पर मास्क बनाने का कार्य किया जा रहा हैए जिसमें 25 महिला स्व.सहायता की सदस्य जुटी हुई हैं। इन महिला समूहों में जय माँ संतोषी स्व.सहायता समूह तोंगपाल धनलक्ष्मी स्व.सहायता समूह छिन्दगढ़ मोंगरा स्व.सहायता समूह गादीरास कुमकुम स्व.सहायता समूह गोंगला माँ शेरावाली स्व.सहायता समूह केरलापाल के महिलाओं द्वारा 20 हजार से अधिक मास्क बनाया जा चुका है।

महिला स्वसहायता समूह द्वारा तैयार मास्क की अच्छी गुणवत्ता और कम कीमत को देखते हुए वन विभाग द्वारा ढाई लाख मास्क तैयार कराया जा रहा है। इन मास्क का वितरण वनोपज संग्राहकों को किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा मास्क वितरण का यह कार्य वनोपज संग्राहकों की सुरक्षा को देखते हुए किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा भी मनरेगा मजदूरों की सुरक्षा के लिए महिला स्वसहायता समूहों से मास्क तैयार करवाया जा रहा है। महिला स्वसहायता समूह द्वारा तैयार मास्क की मांग लगातार बढ़ रही है तथा क्षेत्र के ग्रामीण भी इसे खरीद रहे हैं।

महिला स्व सहायता समूह द्वारा तैयार किए जा रहे मास्क की खासियत है कि उसे धोकर पुनः उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार मास्क का निर्माण स्व.सहायता समूह के महिलाओं के लिए आय का स्त्रोत बना है।

मास्क निर्माण करने वाले बिहान महिला स्व.सहायता समूह की महिलाएं इस आपातकाल में मास्क की निर्बाध आपूर्ति कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत् जिले के ग्रामीण आदिवासी एवं सुदूर अंचलों की महिलाएं इस योजना के तहत् सशक्त बन रही हैं। महिला स्व.सहायता समूहों द्वारा लगभग 53 हजार तेन्दूपत्ता संग्राहकों को लगभग 2.50 लाख मास्क वितरित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान शासन के निर्देशानुसार सभी को मास्क लगाना अनिवार्य किया गया है। इसको देखते हुए महिलाएं मास्क बनाने का कार्य कर रही हैं जिससे महिलाओं को अर्थिक रूप से मदद भी मिल रही है।

आंगनबाड़ियों के बच्चों का ज्ञानवर्धन मनोरंजक तरीके से करने 'चकमक' अभियान निभा रहा महत्ती भूमिका

धमतरी,(ईएमएस)। नोवल कोरोना बीमारी के संक्रमण से बचाव के लिए पूरे देश में लॉकडाउन है। इस दौरान छत्तीसगढ़ में भी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सभी आंगनबाड़ी केन्द्र बंद हैं। इन केन्द्रों में 03 से 06 साल तक बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा की गतिविधियों को निर्बाध रूप से चलाने के लिए यूनिसेफ के सहयोग से 'चकमक' अभियान और 'सजग' कार्यक्रम की शुरूआत प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने गत 25 अप्रैल को की। जिले में भी 'चकमक' अभियान में राज्य स्तर से मिले वीडियो को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग की महत्ता को समझाते हुए ना केवल इन बच्चों के घरों में जाकर अभिभावकों के स्मार्ट फोन में फॉरवर्ड किया जा रहा है बल्कि यथासंभव वे स्वयं अभिनय करके बच्चों का ज्ञानवर्धन कर रहीं हैं। इन वीडियो में बालगीत, कविता, कहानियां इत्यादि रोचक तरीके से प्रस्तुत किए गए हैं जो कि बच्चों का काफी मनोरंजन भी कर रहे हैं।

इसके अलावा 'सजग' कार्यक्रम के तहत अभिभावकों के लिए विभाग से प्राप्त ऑडियो संदेश भी सुपरवाईजर और कार्यकर्ता द्वारा स्मार्टफोन में भेजा जा रहा है। इसमें बच्चों के व्यवहार में परिवर्तन होने पर सजग रहने उनके साथ गुणवत्तापूर्वक समय बिताने उनकी कला क्षमता को विकसित करने इत्यादि से संबंधित संदेश हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री एम.डी.नायक ने बताया कि योजना शुरू होने के बाद से अब तक 5243 अभिभावकों को 'सजग' कार्यक्रम के तहत मिले ऑडियो संदेश और 'चकमक' अभियान के तहत वीडियो गतिविधियों को फोन पर उपलब्ध कराया गया है। इससे उम्मीद है कि लॉकडाउन अवधि के दौरान अभिभावक और बच्चों को एक साथ गुणवत्तापूर्वक समय बिताने का अवसर तो मिलेगा ही बच्चों की बोरियत भी दूर होगी और वे गीत, कविता, कहानी इत्यादि के जरिए नैतिक मूल्यों को समझ सकेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में कोरोना का आंकड़ा 6 हजार के पार, 441 नए केस, 49 की मौत

अहमदाबाद में 349 नए केस के साथ कोरोनी मामलों की संख्या 4425 हुई, 39 की मौत

अहमदाबाद । गुजरात में पहली बार 24 घंटों में सबसे ज्यादा केस सामने आए हैं। पिछले 24 घंटों में राज्य में 441 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 6 हजार के पार कर गया है। पिछले 24 घंटों में 186 लोग ठीक हुए हैं और 49 मरीजों की मौत हुई है। जिसमें 39 मौतें इकलौते अहमदाबाद में हुई हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंती रवि ने बताया कि गुजरात में सोमवार की शाम से मंगलवार की शाम तक बीते 24 घंटों में कोरोना पॉजिटिव के 441 नए केस दर्ज हुए हैं। जिसमें सबसे अधिक 349 केस इकलौते अहमदाबाद में सामने आए हैं। जबकि वडोदरा में 20, सूरत में 17, राजकोट में 1, भावनगर में 2, गांधीनगर में 2, पाटन में 2, पंचमहल में 4, बनासकांठा में 10, मेहसाणा में 10, बोटाद में 8, खेडा में 4, साबरकांठा में 4, अरवल्ली में 2, महीसागर में 4 और जूनागढ़ में 2 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 441 केस शामिल हैंद्य राज्य में अब तक कुल 6245 मरीजों में 368 लोगों की मौत हो चुकी है और 1381 लोग ठीक होकर अस्पताल से अपने घर लौट चुके हैं।

राज्य में कोरोना के 4496 मरीजों में 4467 मरीजों की हालत स्थिर है और 29 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य में 49 मरीजों की मौत हुई है।

जिसमें अहमदाबाद में 39, अरवल्ली में 1, गांधीनगर में 1, खेडा में 1, साबरकांठा में 1, सूरत में 2, वडोदरा में 3 और महीसागर में 1 मरीज की मौत हो गई। जबकि पिछले 24 घंटों में ठीक हुए 186 लोगों की अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। अहमदाबाद में 84, अरवल्ली में 1, खेडा में 1, महीसागर में 1, नर्मदा में 2, नवसारी में 1, पंचमहल में 1, राजकोट में 8, सूरत में 76 और वडोदरा में 11 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल छुट्टी दी गई है। राज्य में अब तक 89632 कुल टेस्ट किए जा चुके है, जिसमें 83387 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव और 6245 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। राज्य में कोरन्टाइन 50612 लोगों में 46249 होम कोरन्टाइन, 4169 सरकारी कोरन्टाइन और 194 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैंद्य जयंति रवि ने बताया कि अहमदाबाद में 349 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 4425 पर पहुंच गया है।

वहीं वडोदरा में 405, सूरत में 723, राजकोट में 62, भावनगर में 76, आणंद में 75, भरुच में 27, गांधीनगर में 79, पाटन में 24, पंचमहल में 49, बनासकांठा में 49, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 14, कच्छ में 7, मेहसाणा में 42, बोटाद में 41, पोरबंदर में 3, दाहोद में 13, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 16, जामनगर में 4, मोरबी में 1, साबरकांठा में 9, अरवल्ली में 22, महीसागर में 40, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 1, देवभूमि द्वारका में 3 और जूनागढ़ में 2 समेत राज्यभर में अब तक कुल 6245 केस दर्ज हो चुके हैं। जिसमें 1381 लोग ठीक हो चुके हैं और 368 मरीजों की मौत हो गई है।

35 विशेष ट्रेनों के जरिए 42 हजार प्रवासी श्रमिकों को भेजने की व्यवस्था

अहमदाबाद सूरत । गुजरात सरकार ने भारत सरकार के साथ मिलकर अब तक 35 ट्रेनों के जरिए 42 हजार जितने प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजनेकी व्यवस्था की हैद्य मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने इसकी जानकारी के देते हुए बताया कि 35 ट्रेन के अलावा रोडवेज की बस के जरिए 5500, निजी वाहनों से 1.67 लाख और सूरत महानगर पालिका से परमिट देकर अपने या निजी वाहनों के जरिए 1.14 लाख कुल 3.25 लाख जितने प्रवासी लोगों को उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उड़ीसा के लिए गुजरात से रवाना किया गया है उन्होंने कहा कि अपने गृह राज्य जाने को इच्छुक प्रवासी श्रमिकों को पास समेत सभी व्यवस्था सरकार की ओर से की जा रही हैद्य उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गृह राज्य जाने के इच्छुक प्रत्येक प्रवासी श्रमिकों से प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की हैं। जिला प्रशासन में पंजीकृत श्रमिकों को ही उनके गृह राज्य भेजा जाएगा और पंजीकरन कराने वाले श्रमिकों को इसकी जानकारी भी दी जा रही हैद्य अश्विनी कुमार ने बताया कि भारत सरकार के दिशा निर्देशों के मुताबिक 2 मई से अन्य राज्यों के श्रमिकों के लिए खास ट्रेन चलाई जा रही है। जिसके मुताबिक सूरत से उड़ीसा के लिए 8, बिहार के लिए 1, झारखंड के लिए 1, वडोदरा से उत्तर प्रदेश के लिए 2, अहमदाबाद से बिहार के लिए 3 और उत्तर प्रदेश के लिए 4, गोधरा, नडियाद, पालनपुर और राजकोट से उत्तर प्रदेश के लिए एक–एक ट्रेन समेत कुल 23 ट्रेन के जरिए करीब 28 हजार श्रमिकों को तीन दिन के भीतर उनके भेजा जा चुका है। इतना ही नहीं आज यानी मंगलवार को भी सूरत से उड़ीसा के लिए 3, उत्तर प्रदेश के लिए 3, बिहार और झारखंड के लिए 1–1 समेत 8 ट्रेनों के जरिए 9600 श्रमिकों, अहमदाबाद जिले के विरमगाम से उत्तर प्रदेश के लिए 2 ट्रेन के जरिए 2400 और अहमदाबाद से बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए एक–एक ट्रेन समेत कुल 12 ट्रेनों के मार्फत 14 हजार श्रमिकों को रवाना किया गया है।

नवसारी सखी मंडल ने लगभग एक लाख मास्क बनाया जो मुम्बई,सुरत जहाँ पर सबसे ज्यादातर कोरोना का खतरा हैं वहाँ पर पहुचने में मददरूप होंगें

शंका–कुशंका के आधार पर कोरोना टेस्ट का प्रावधान नहीं : विजय नेहरा

अहमदाबाद । अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त विजय नेहरा ने स्पष्ट किया है कि कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के चलते लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी चिंतित हैं और अपना टेस्ट करने का आग्रह कर रहे हैंद्य लेकिन शंका–कुशंका के आधार पर टेस्टिंग का कोई प्रावधान नहीं है।

विजय नेहरा ने कहा कि फिलहाल कोरोना वायरस का कोई दवाई नहीं हैं। इसके मरीज की बेहतर देखभाल ही एकमात्र इलाज है। अहमदाबाद में 3101 सक्रिय केस होने का उल्लेख करते हुए नेहरा ने कहा कि पहली बार एक्टिव केसों की ग्रोथ रेट 5 फीसदी से कम हुआ है। पहले यह रेट 30 से 31 प्रतिशत था, जो लगातार गिरकर 5 फीसदी से कम रह गया है। उन्होंने कहा कि मई महीने के अंत तक इसे शून्य पर ले जाने के प्रयास जारी हैं। बीते दिन 79 लोगों के ठीक होने के बाद अब तक अहमदाबाद में कुल 691 लोग स्वस्थ होकर अस्पताल से अपने घरों को लौट चुके हैंद्य विजय नेहरा ने कहा कि शहर में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों से लोगों में चिंता भी बढ़ी है और ज्यादातर नागरिक टेस्टिंग की मांग कर रहे हैंद्य जिनके घर, सोसायटी या ऑफीस में पॉजिटिव केस सामने आता है तो वहां के लोग अपनी टेस्टिंग का आग्रह कर रहे हैंद्य टेस्टिंग किसकी और कब की जाए, इसकी स्पष्टता करते हुए विजय नेहरा ने कहा कि किसी भी नागरिक की शंका–कुशंका के आधार पर टेस्टिंग का प्रावधान नहीं हैद्य उन्होंने कहा कि जो कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आए हों, ऐसे लोगों को सात कोरन्टाइन किया जाता है और उसके बाद उसमें लक्षण पाए जाने पर ही उसका टेस्ट किया जाता हैद्य सुपर स्प्रेडर, सीनियर सिटीजन, लक्षण दिखने या गंभीर परिस्थित में ही टेस्टिंग किया जाता हैद्य यदि आपकी ऑफीस में एक व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है और दूसरे दिन वह टेस्ट कराता है तो उसकी सभी रिपोर्ट नेगेटिव आएगीद्य क्योंकि वायरस धीरे धीरे ट्रान्सक्यूब होता हैद्य इसलिए आपके आसपास कोई पॉजिटिव केस आता है तो उसके परिवार, संपर्क में आए लोगों को सात दिन होम कोरन्टाइन करने के बाद यदि उसमें लक्षण दिखते हैं तभी टेस्टिंग आग्रह रखेंद्य मनपा आयुक्त ने कहा कि बीते दिन सब्जी वालों को स्क्रीनिंग कार्ड जारी कर उनकी जांच शुरू की हैद्य इसके अंतर्गत 1437 की टेस्टिंग की गई है और जिनमें लक्षण मिले हैं ऐसे 28 लोगों को होम कोरन्टाइन किया गया है और उनकी निगरानी की जा रही हैद्य गंभीर लक्षण पाए जाने पर ही उनका टेस्ट किया जाएगाद्य विजय नेहरा ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे फेरीवालों से ही सब्जियां खरीदें जिनके स्क्रीनिंग कार्ड होद्य जिन फेरीवालों के पास स्क्रीनिंग कार्ड के साथ ही वह मास्क पहनते हों और सफाई भी रखते हों ऐसे लोगों से नागरिक सब्जियां खरीदें, ताकि संक्रमण को रोका जा सकेद्य विजय नेहरा ने अहमदाबाद में निजी प्रेक्टिश करते डॉक्टरों से तत्काल प्रभाव से अपने क्लीनिक शुरू करने की अपील की, ताकि स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य सेवाएं उपलब्ध होंद्य उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को कोई समस्या नहीं हो इसका हम ध्यान रखेंगे और किसी भी जरूरत के लिए हमसे संपर्क करोद्य मौजूदा विकट परिस्थितियों में सभी डॉक्टर अपने अस्पताल और क्लीनिक शुरू करें यह बेहद जरूरी हो गया है।

11 प्रवासी श्रमिक रेलवे ट्रेक पकड़ बिहार को निकले

बनासकांठा। कोरोना के चलते लॉकडाउन की अवधि तीसरे दफा बढ़ा जाने से प्रवासी श्रमिकों को धैर्य अब जवाब देने लगा है। रेल या बस की सुविधा नहीं मिलने से बनासकांठो में फंसे 11 प्रवासी श्रमिकों ने रेलवे ट्रेक पकड़ कर बिहार की ओर कूच शुरू कर दीद्य बनासकांठा जिले के दियोदर में फंसे 11 श्रमिक बिहार स्थित अपने गांव लौटने के लिए 2200 किलोमीटर लंबी यात्रा पर रवाना हो गए हैं। ये मजदूर लॉकडाउन के चलते पिछले दो महीने से दियोदर में फंसे हुए थे। जो ठेकेदार इन श्रमिकों को लाया था, उसके भी बगैर वेतन दिए फरार होने से श्रमिकों को खाने के लाले पड़ने लगे और सभी अपने पैदल ही अपने गांव की ओर लौटने का फैसला कर लियाद्य भूखे–प्यासे प्रवासी मजदूर जैसे तैसे बनासकांठा के डीसा पहुंचे। उनकी हालत देख स्थानीय लोगों ने उन्हें भोजन–पानी का प्रबंध किया, जिससे उनकी जान में जान आई।

आर्थिक संकट से तंग आकर किसान ने फांसी लगाकर जान दी

जूनागढ । जूनागढ़ के जलधर गांव में एक किसान ने आत्महत्या कर लीद्य मालिया हाटिना के जलधर गांव का यह किसान आर्थिक संकट

से जूझ रहा थाद्य तंग आकर किसान ने बिजली के खंभे पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दीद्य सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज आगे की कार्रवाई शुरू की।

सुरत कलेक्टर ऑफिस के तीसरे मंजिल पर रिकोर्ड रूम में लगी आग,आग लगने के कारणों का पता अभी तक चला नही.

12 वर्षीय पुत्री पर पिता ने किया दुष्कर्म, आरोपी पिता गिरफ्तार

अहमदाबाद कोरोना के कहर और लोकडाउन के बीच एक पिता–पुत्री के संबंधों को शर्मशार करती हुई चौंकानेवाली वाली घटना सामने आई हैद्य वाडज इलाके में सगे पिता ने ही 20 दिनों से अपनी पुत्री को अपनी हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने आरोपी पिता को पोक्सो कानून के तहत गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है।

अहमदाबाद शहर के वाडज इलाके में 12 वर्षीय किशोरी अपने माता–पिता के साथ रहती थीद्य किशोरी के पिता सिक्युरिटी गार्ड के तौर पर नौकरी कर रहे थेद्य लोकडाउन की घोषणा से पहले किशोरी की माता अपने वतन उत्तरप्रदेश गई थी। लोकडाउन की मियाद लगातार बढने की वजह से किशोरी की माता युपी से वापिस नहीं आ पाईद्य कुछ दिनों तो सब ठीकठाक रहा परंतु किशोरी को देख पिता के मन में हवस मिटाने की लालसा जगीद्य पिता ने किशोरी को मालिस करने के बहाने उससे छेड़छाड़ करने लगाद्य पुत्री को पहले पिता की करतूत का पता नहीं चला परंतु बाद में पिता ने ही अपनी पुत्री को हवस का शिकार बनाकर उस पर दुष्कर्म कियाद्य पिता ने किशोरी पर एक बार लगातार पिछले 20 दिनों से दुष्कर्म करता रहाद्य पिता की करतूत से परेशान किशोरी छत पर जाकर रो रही थीद्य इस दौरान पडोशी ने किशोरी से पूछने पर

किशोरी ने पडोशी महिला को सारी जानकारी बता दी। पडोशी महिला ने समग्र जानकारी पुलिस को दी। इस मामले में महिला हेल्पलाइन का संपर्क करने पर हेल्पलाइन के कर्मचारी द्वारा किशोरी का काउन्सेलिंग करने पर किशोरी ने पिता के खिलाफ वाडज पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की। गुजरात में कोरोना के कहर के कारण लोकडाउन के बीच अपने परिवार की व्यक्ति द्वारा किशोरी व बच्ची दुष्कर्म का भोग बन रही हैद्य पिता द्वारा ही पुत्री पर दुष्कर्म की घटना काफी चौंकानेवाली हैद्य हम अपने बच्चों को बाहर वालों से सुरक्षित रहने और बाहरी लोगों पर भरोसा न करने की सलाह देते है

शहर में 12 फेरीवालों का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव

अहमदाबाद । शहर में लगाकार कोरोना वायरस के केस बढ रहे हैद्य आज शहर के हाटकेश्वर इलाके के भाइपुरा वोर्ड में एक साथ 21 से अधिक सब्जी बे. चनेवाले फेरीवालों के कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव आने से प्रशासन में हडकम्प मच गया हैद्य वहीं बोपल इलाके में खाद्य आपूर्ति विभाग के जोनल कचहरी के सीनियर क्लर्क का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव दर्ज हुआ है।

अहमदाबाद शहर में 3 ममई शाम से 4 मई तक शहर कोरोना के कुल 259 केस दर्ज हुआ है और 26 मरिजों की मौत हो चुकी है। इसमें से 80 मरिज

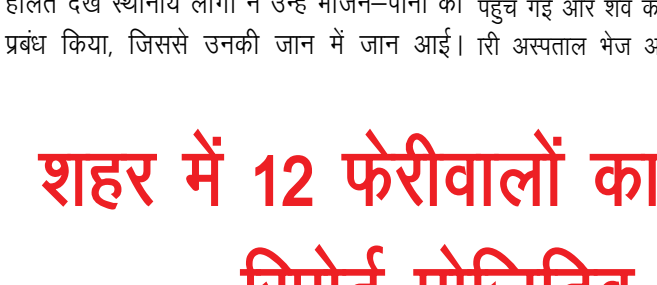

स्वस्थ हुए है। इसके साथ ही कुल 4078 केस दर्ज हुए और 234 लोगों की मौत हो चुकी है। हररोज लगातार कोरोना वायरस के लगातार केस बढ रहे है। आज शहर के हाटकेश्वर इलाके में भाईपुरा हरिपुरा वोर्ड में एक साथ सब्जी बेचनेवाले 21 फेरीवाले को कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव दर्ज हुआ। जबकि बोपल में रहनेवाले खाद्य आपूर्ति विभाग के सीनियर क्लर्क को कोरोना पोजिटिव दर्ज हुआद्य बोपल में रहनेवाले खाद्य आपूर्ति विभाग के रखियाल जोनल कचहरी में काम करनेवाले सीनियर क्लर्क मुफ्त राशन प्राप्त करनेवाले लाभार्थी को शहर में अन्नब्रह्म योजना के तहत सर्वे करनेवाले अधिकारी टीम के सदस्य कोरोना की चपेट में आए है। जिसके चलते अन्य साथी कर्मचारी व अधिकारी भी संक्रमित होने की संभावनाएं जताई जा रही है। खाद्य आपूर्ति विभाग की जोनल कचहरी व राशनकार्ड धारकों में भी दहशत फैल गई है। शहर के हाटकेश्वर इलाके के भाइपुरा वोर्ड में एक साथ 21 से अधिक सब्जी बेचनेवाले फेरीवालों को कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव आने पर प्रशासन ने कडे कदम उठाते हुए पुलिस उच्चाधिकारीओं की टीम हरिपुरा पहुंचकर फेरीवाले के परिजनों को कोरोन्टाइन कर लिया लिया। पूरे इलाके को सेनेटाइज कर ब्लोक कर दिया गयाद्य साथ ही स्थानीय लोगों को घर से बाहर नहीं निकलने की सूचना दी गई है।

नर्मदा जिला हुआ कोरोना मुक्त, सभी मरीज ठीक हुए

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना के कहर के बीच नर्मदा जिले में सभी मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैंद्य नर्मदा जिले में कुल 12 कोरोना पॉजिटिव केस थेद्य जिसमें 10 लोग पहले ठीक हो चुके थे और अब शेष लोगों के भी स्वस्थ होने के बाद नर्मदा जिला कोरोना मुक्त हो गया हैद्य सभी लोगों का नर्मदा जिले के राजपीपला के कोविड 19 अस्पताल में उपचार चल हा थाद्य नर्मदा जिले की भदाम गांव की महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद आज उसे भी अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गयाद्य महिला के ठीक होने के बाद अस्पताल के स्टाफ ने उसे तालियां बजाकर बिदा कियाद्य महिला के ठीक होने के बाद अब नर्मदा जिले में कोरोना का एक भी केस नहीं है।

शहर में 12 फेरीवालों का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य शहर में लगाकार कोरोना वायरस के केस बढ रहे हैद्य आज शहर के हाटकेश्वर इलाके के भाइपुरा वोर्ड में एक साथ 21 से अधिक सब्जी बेचनेवाले फेरीवालों

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)